website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 23 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 03 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

जोहरान ममदानी के बाद उमर खालिद के समर्थन में अमेरिकी सांसदों की चिट्ठी, भारत सरकार से कर दी बड़ी डिमांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद JNU के पूर्व छात्र और एक्टिविस्ट उमर खालिद को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। न्यूयॉर्क के नए मेयर जोहरान ममदानी की ओर से उमर खालिद के समर्थन में पत्र लिखे जाने के बाद अब अमेरिका के आठ सांसदों ने भारतीय सरकार से अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार खालिद को निष्पक्ष ट्रायल दिलाने की अपील की है। यह पत्र अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा को भेजा गया है।

अमेरिकी सांसदों ने भारत के राजदूत को लिखा पत्र

इस पत्र का नेतृत्व हाउस रूल्स कमेटी के रैंकिंग मेंबर और टॉम लैंटोस ह्मन राइट्स कमीशन के सह-अध्यक्ष जिम मैकगवर्न ने किया है। वे मैसाचुसेट्स के दूसरे संसदीय क्षेत्र से डेमोक्रेट सांसद हैं। उनके साथ सात अन्य सांसदों ने भी इस पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

दिसंबर में उमर खालिद के माता-पिता से हुई थी मुलाकात

पत्र में बताया गया है कि जिम मैकगवर्न और अन्य सांसदों ने दिसंबर की शुरुआत में उमर खालिद के माता-पिता से मुलाकात की थी। इसके बाद उन्होंने भारत सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप की अपील की।

5 साल से बिना जमानत जेल में हैं उमर खालिद

जिम मैकगवर्न ने एक्स पर लिखा, 'इस महीने की शुरुआत में मैं उमर खालिद के माता-पिता से मिला। उमर खालिद भारत में 5 साल से ज्यादा समय से बिना ट्रायल जेल में बंद हैं। हम अपने सहयोगियों के साथ मिलकर

मांग कर रहे हैं कि उन्हें जमानत दी जाए और अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक निष्पक्ष व समयबद्ध सुनवाई मिले।'

दोष सिद्ध होने तक निर्दोष माना जाए

सांसदों ने कहा कि भारत को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी व्यक्ति को उचित समय के भीतर मुकदमा मिले या फिर उसे रिहा किया जाए। उन्होंने मांग की कि भारत सरकार यह जानकारी दे कि उमर खालिद और अन्य सह-आरोपियों के खिलाफ चल रही न्यायिक प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कैसे है।

किन सांसदों ने किया पत्र पर हस्ताक्षर

इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में जेमी रास्किन, क्रिस वैन होलेन, पीटर वेल्च, प्रमिला जयपाल, राशिदा त्लैब, जान शकाओस्की, लॉयड डॉगेट शामिल हैं। इससे पहले न्यूयॉर्क के नए मेयर जोहरान ममदानी ने भी उमर खालिद के समर्थन में एक नोट लिखा था, जिसे खालिद की साथी बानो ज्योत्सना ने सोशल मीडिया पर साझा किया। ममदानी ने लिखा, 'मैं अक्सर आपकी कड़वाहट को लेकर कही गई बातों को याद करता हूं और यह सोचता हूं कि उसे खुद पर हावी नहीं होने देना कितना जरूरी है। आपके माता-पिता से मिलना अच्छा लगा। हम सभी आपको याद कर रहे हैं।'

बहन की शादी में शामिल होने के लिए मिली अंतरिम जमानत

हाल ही में दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने उमर खालिद को उनकी बहन की शादी में शामिल होने के लिए अस्थायी जमानत दी थी। उमर खालिद की बहन आयशा फातिमा सैयद की शादी 27 दिसंबर को हुई थी। उन्हें 16 दिसंबर से 29 दिसंबर तक अंतरिम जमानत दी गई थी। उमर खालिद पर दिल्ली दंगों की कथित साजिश मामले में यूएपीए के तहत चार्जशीट दाखिल की गई है। उनकी नियमित जमानत याचिका फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

हिजाब विवाद: डॉ. नुसरत परवीन ने अभी तक नहीं जॉइन किया, सरकार ने बढ़ाई तारीख

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासन में हिजाब खींचे जाने का विवाद अब भी जारी है। पटना में आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र बांटने के दौरान महिला डॉक्टर डॉ. नुसरत परवीन का हिजाब उनके चेहरे से खींचकर नीचे कर दिया गया था। इस घटना से आहत नुसरत परवीन ने अभी तक अपनी नौकरी जॉइन नहीं की है। नीतीश कुमार सरकार लगातार कोशिश कर रही है कि नुसरत को उनके पद पर तैनात किया जाए, लेकिन उन्होंने बिहार में नौकरी करने से इनकार कर दिया है। ऐसे में स्वास्थ्य समिति ने उनकी जॉइनिंग डेट एक बार फिर बढ़ा दी है। महिला डॉक्टर को पहले 20 दिसंबर तक जॉइन करना था, लेकिन वह नहीं आईं। इसके बाद सरकार ने जॉइनिंग डेट 31 दिसंबर तक बढ़ाई। अब इसे फिर से बढ़ाकर 7 जनवरी कर दिया गया है। इस विवाद के चलते नुसरत परवीन की नियुक्ति और जॉइनिंग दोनों ही राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा का विषय बने हुए हैं।

वाराणसी में बीजेपी पार्षद के बेटे की दबंगई, दारोगा से मारपीट पर बवाल

यूपी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में नए साल के मौके पर सुरक्षा व्यवस्था के बीच एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। चौक थाना क्षेत्र में बीजेपी पार्षद के बेटे ने ड्यूटी पर तैनात दरोगा के साथ मारपीट कर दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मामला उस समय का है जब शहर में नए साल के जश्न के चलते भारी भीड़ मौजूद थी और पुलिस कानून-व्यवस्था संभालने में जुटी हुई थी। जानकारी के अनुसार, मणिकर्णिका घाट द्वार के पास तैनात चौकी प्रभारी अभिषेक त्रिपाठी ने भीड़भाड़ वाले इलाके में बाइक ले जाने से बीजेपी पार्षद के बेटे हिमांशु श्रीवास्तव को रोका। यह इलाका हमेशा व्यस्त रहता है और त्योहार या विशेष दिनों में यहां पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर हिमांशु ने गुस्से में आकर दरोगा को थप्पड़ मार दिया। यह देख मौके पर मौजूद स्थानीय लोग भड़क गए और युवक की दबंगई का विरोध करते हुए उसकी पिटाई कर दी। हिमांशु के साथ उसके कुछ साथी भी मौजूद थे, लेकिन लोगों के आक्रोश के आगे वे टिक नहीं सके। घायल हिमांशु को बाद में मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले में दरोगा अभिषेक त्रिपाठी की तहरीर पर हिमांशु श्रीवास्तव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अन्य शामिल युवकों की पहचान कर कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

यूपी बिजली उपभोक्ताओं को नए साल का तोहफा, 102 करोड़ रुपये होंगे वापस

यूपी। नए साल की शुरुआत उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर के साथ हुई है। प्रदेश की बिजली वितरण कंपनियां (डिस्कॉम) उपभोक्ताओं से अधिक वसूली गई करीब 102 करोड़ रुपये की रकम वापस करेंगी। यह राशि सीधे उपभोक्ताओं के आने वाले बिजली बिलों में समायोजित की जाएगी, जिससे उन्हें बिल भुगतान में राहत मिलेगी।यह फैसला उत्तर प्रदेश विद्त नियामक आयोग (UPERC) के निर्देश पर लिया गया है। आयोग की जांच में सामने आया कि बिजली कंपनियों ने अलग-अलग मदों में तय सीमा से ज्यादा शुल्क वसूला था। इसके बाद आयोग ने सख्त रुख अपनाते हुए अतिरिक्त वसूली गई रकम उपभोक्ताओं को लौटाने का आदेश दिया। बिजली विभाग के अधिकारियों के अनुसार, उपभोक्ताओं को यह पैसा नकद नहीं मिलेगा, बल्कि उनके भविष्य के बिजली बिलों में एडजस्टमेंट के रूप में दिखेगा। जिन उपभोक्ताओं से ज्यादा रकम वसूली गई है, उनके बिल में उतनी राशि घटाकर दर्शाई जाएगी। इस फैसले से प्रदेश के लाखों घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को फायदा होगा। खासतौर पर आम घरेलू उपभोक्ताओं को आने वाले महीनों में बिजली बिल में राहत महसूस होगी। यूपी विद्त नियामक आयोग ने साफ कहा है कि उपभोक्ताओं के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और भविष्य में बिलिंग व्यवस्था में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करनी होगी। उपभोक्ता संगठनों ने भी इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे बिजली कंपनियों की मनमानी पर लगाम लगाने वाला कदम बताया है।

पाकिस्तान ने खोजा तेल और गैस का बड़ा भंडार, आयात पर खर्च में होगी कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहट जिले के नश्पा ब्लॉक में कच्चा तेल और गैस खोजने का दावा किया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस उपलब्धि पर देशवासियों को बधाई दी और कहा कि इससे विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत होगा तथा तेल और गैस के आयात पर खर्च कम होगा। पाकिस्तान की ऑयल ऐंड गैस डिवेलपमेंट कंपनी लिमिटेड ने भी नश्पा ब्लॉक में तेल और गैस की खोज की पुष्टि की है।

उत्पादन क्षमता और सरकार की प्रतिक्रिया

सरकारी एजेंसियों के अनुसार, यहां से प्रतिदिन 4100 बैरल कच्चा तेल और 10.5 मिलियन क्यूबिक फीट गैस निकाली जा सकेगी। पीएम शहबाज शरीफ ने पेट्रोलियम और गैस सेक्टर की उच्च स्तरीय बैठक में कहा कि स्थानीय स्तर पर इन संसाधनों की खोज से आयात पर निर्भरता घटेगी और विदेशी मुद्रा की बचत होगी। बैठक में यह भी कहा गया कि इस साल ग्राहकों को पर्याप्त गैस मिली

है और जून 2026 तक 3.5 लाख नए गैस कनेक्शन बांटने का लक्ष्य है।

स्थानीय विरोध और पिछड़ेपन की वजह

हालांकि खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में प्राकृतिक संसाधन मौजूद हैं, वहां के लोग अक्सर विरोध करते हैं। उनका कहना है कि पंजाबियों के प्रभुत्व वाले प्रशासन, सेना और सियासत में संसाधनों का इस्तेमाल होता है, लेकिन स्थानीय विकास के लिए पर्याप्त पैसा खर्च नहीं किया जाता। यही कारण है कि दोनों प्रदेश अन्य राज्यों की तुलना में काफी पिछड़े हुए हैं और स्थानीय विरोध भी मजबूत है।

इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा; राहुल गांधी के गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी के कारण कई लोगों की मौत को लेकर शुक्रवार को गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश कुप्राशन का केंद्र बन चुका है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों की मौत पर हमेशा की तरह खामोश हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि जीवन के अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन जिम्मेदार है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी; सरकार ने घमंड परोस दिया।'

सवाल उठाया, जवाबदेही की मांग

राहुल गांधी ने सवाल किया कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की तो फिर सुनवाई क्यों नहीं हुई? लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'सीवर पीने के पानी में कैसे मिला? समय रहते आपूर्ति बंद क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी?' उन्होंने कहा कि ये फोकट सवाल नहीं, ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह जिम्मेदार है।

पीएम मोदी पर खामोश रहने का आरोप

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया, 'मध्य प्रदेश अब कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है। कहीं खांसी की सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं।'

इंदौर महापौर ने दी जानकारी

इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से फैले उल्टी-दस्त के प्रकोप से 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। बहरहाल, स्थानीय नागरिकों ने इस प्रकोप से छह माह के बच्चे समेत 14 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है। इस दावे की स्वास्थ्य विभाग ने पुष्टि नहीं की है।

ऑपरेशन मिलाप:
दिल्ली पुलिस ने एक महीने में 102 लापता लोगों को परिजनों से मिलवाया

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस के साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट ने दिसंबर 2025 के दौरान ऑपरेशन मिलाप के तहत एक सराहनीय अभियान चलाते हुए 102 लापता व्यक्तियों को उनके परिजनों से सुरक्षित मिलवाया। इनमें 35 लापता बच्चे और 67 लापता वयस्क शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह विशेष अभियान 1 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक चला, जिसमें समर्पण और सतर्कता के साथ कई लापता लोगों का पता लगाकर उन्हें उनके परिवारों तक पहुंचाया गया। इस अभियान के दौरान स्थानीय पुलिस ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की। लापता व्यक्तियों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और ई-रिक्शा स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थानों पर संदिग्धों की तस्वीरें साझा की गईं। इसके साथ ही स्थानीय मुखबिरों, बस ड्राइवरों और रेहड़ी-पटरी वालों से भी अहम जानकारियां जुटाई गईं, जो अभियान की

सफलता में बेहद उपयोगी साबित हुईं। साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में आपसी समन्वय के साथ अभियान को अंजाम दिया। कापसहेड़ा थाना पुलिस ने 12 लापता लड़कियों को बरामद किया, जबकि पालम गांव थाना पुलिस ने 4 बच्चों और 13 वयस्कों का पता लगाया। इसके अलावा वसंत कुंज, सागरपुर, किशनगढ़ और दिल्ली कैंट थाना क्षेत्रों की पुलिस टीमों ने भी कई लापता बच्चों और वयस्कों को सुरक्षित खोजकर उनके परिवारों से मिलाया। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने कहा कि ऑपरेशन मिलाप के तहत न केवल लापता लोगों को उनके परिजनों से मिलाया गया, बल्कि यह भी साबित हुआ कि साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ निभा रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में वसंत कुंज नॉर्थ थाना स्टाफ ने एक लापता नाबालिग लड़की का सफलतापूर्वक पता लगाया। इसके साथ ही 5 अन्य लापता व्यक्तियों—जिसमें 3 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं—को भी खोजकर उनके परिवारों से मिलाया गया। साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस के अनुसार, वर्ष 2025 में 1 जनवरी से 31 दिसंबर तक कुल 1303 लापता व्यक्तियों और बच्चों को बरामद किया गया। इनमें 434 नाबालिग बच्चे और 869 वयस्क शामिल हैं। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि परिवार का कोई सदस्य कहीं बिछड़ जाए या लापता हो जाए, तो इसकी सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को दें। दिल्ली पुलिस हर संभव सहायता के लिए हमेशा तत्पर है।

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएगी दिल्ली सरकार, भ्रम फैलाने का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का फैसला लिया है। दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली में शिक्षकों को लेकर आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल द्वारा लगातार भ्रम और दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है, जिसके खिलाफ सरकार अब कानूनी कार्रवाई करेगी। शिक्षा मंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार ने यह निर्णय शिक्षा व्यवस्था को लेकर फैलाए जा रहे कथित झूठे

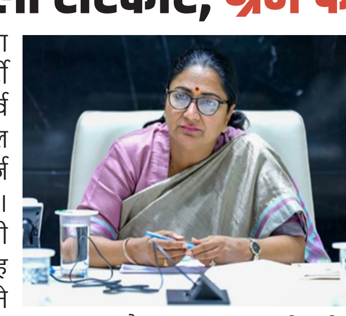

प्रचार और गलत सूचनाओं को रोकने के उद्देश्य से लिया है। इससे पहले, गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पोस्ट में बताया, "आम आदमी पार्टी द्वारा फैलाई गई फेक न्यूज पर सख्त कार्रवाई करते हुए शिक्षा विभाग ने सिविल लाइन्स थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। यह हमारे समर्पित शिक्षकों के मनोबल को कमजोर करने और दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था पर जानबूझकर अविश्वास पैदा करने का एक गंभीर और सुनियोजित प्रयास है। दिल्ली के साथ इस प्रकार का छल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। झूठ की राजनीति पर ज़ीरो टॉलरेंस है और इसके लिए ज़िम्मेदार सभी लोगों को कानून के तहत पूरी तरह जवाबदेह ठहराया जाएगा।" बता दें कि यह पूरा मामला दिल्ली में शिक्षकों से कथित तौर पर आवारा कुत्तों की काउंटिंग कराए जाने से जुड़ा है। हालांकि, भाजपा नेताओं ने आरोप को नकारते हुए आम आदमी पार्टी (आप) पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया।

यूपी में अगले सात दिन छाएगा घना कोहरा, उत्तर भारत में और बढ़ेगी ठंड

यूपी। उत्तर भारत इस समय कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की चपेट में है। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब समेत कई राज्यों में सुबह और रात के समय विजिबिलिटी बेहद कम हो गई है। इसी बीच मौसम विभाग (IMD) ने यूपी के लिए अगले सात दिनों तक बहुत घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की है। इसके साथ ही उत्तर भारत में ठंड और बढ़ने के आसार जताए गए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों में उत्तर भारत के न्यूनतम तापमान में करीब चार डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। इससे ठंड और ज्यादा

बढ़ेगी। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा में रात और सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा देखने को मिलेगा। वहीं जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तरी मध्य प्रदेश में भी अगले कुछ दिनों तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। दो जनवरी को हिमाचल प्रदेश और चार-पांच जनवरी को बिहार के कुछ इलाकों में कोल्ड डे की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के कुछ हिस्सों में शीतलहर चलने की भी संभावना है। पिछले 24 घंटों में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया, जबकि यूपी, दिल्ली और पंजाब के कई इलाकों में तापमान 5 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने, यात्रा के दौरान सावधानी बरतने और ठंड से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी है।

इंदौर दूषित पानी मामला:
15 मौत का दावा, उमा भारती ने सरकार को घेरा

मध्य प्रदेश। मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पानी से मौतों का मामला अब राजनीतिक और सामाजिक चिंता का विषय बन गया है। आधिकारिक तौर पर 9 मौतें दर्ज हैं, लेकिन बीजेपी पार्षद कमल वाघेला ने 15 लोगों की मौत का दावा किया है। इस गंभीर मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता उमा भारती ने मोहन यादव सरकार पर सवाल उठाए हैं।

उमा भारती का घोर प्रायश्चित का आग्रह

उमा भारती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि इंदौर, जो पूरे देश का सबसे स्वच्छ शहर माना जाता है, गंदे पानी से मौतों की इस घटना ने पूरी

व्यवस्था को शर्मसार कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस पाप का घोर प्रायश्चित करना होगा, पीड़ितों से माफी मांगी जाए और जिम्मेदार अधिकारियों को अधिकतम दंड मिले। उन्होंने इसे मुख्यमंत्री मोहन यादव की परीक्षा की घड़ी बताया।

बीजेपी पार्षद का आरोप: लगातार शिकायतें बेअसर

वॉर्ड-11 के पार्षद कमल वाघेला ने कहा कि अब तक 15 लोगों की जान चली गई और एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। उन्होंने दावा किया कि प्रशासन को कई बार लिखित शिकायतें दी गईं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। 12 नवंबर 2024 को नर्मदा नई पाइपलाइन की फाइल तैयार थी, लेकिन अफसरों ने इसे 7 महीने तक ठंडे बस्ते में रखा।

सीएम हेल्पलाइन और अफसरों की लापरवाही

पार्षद के अनुसार, 311 और सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायतें की गई थीं। महापौर ने पाइपलाइन का काम तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए, लेकिन अफसरों ने पालन नहीं किया। 29 दिसंबर 2025 को क्षेत्र में बीमारी फैल गई। पार्षद ने इसे आपराधिक लापरवाही बताया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

तंबाकू का जहर: सेहत, समाज और भविष्य पर मंडराता खतरा

तंबाकू एक ऐसा जानलेवा उत्पाद है, जो न सिर्फ इंसान की सेहत को धीरे-धीरे खोखला करता है, बल्कि उसकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति पर भी गहरा असर डालता है। तंबाकू का सेवन करने वाला व्यक्ति अक्सर यह नहीं समझ पाता कि वह अपने शरीर के साथ-साथ अपने परिवार के भविष्य को भी खतरे में डाल रहा है। इसके इस्तेमाल से कैंसर, हृदय रोग, सांस की गंभीर बीमारियां, स्ट्रोक और कई अन्य घातक रोग जन्म लेते हैं, जो अंततः असमय मौत का कारण बनते हैं। भारत तंबाकू उत्पादन में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है और खपत के मामले में दूसरे स्थान पर है। देश में हर साल तंबाकू के कारण लगभग 13.5 लाख लोगों की मौत होती है। इनमें से करीब 10 लाख मौतें धूम्रपान से जुड़ी होती हैं, जबकि बाकी धुआं-रहित तंबाकू, जैसे खैनी, गुटखा और पान मसाले के कारण होती हैं। इसका मतलब यह है कि भारत में हर दिन औसतन 3,700 लोग तंबाकू की वजह से अपनी जान गंवा रहे हैं। यह आंकड़ा अपने आप में बेहद डरावना है और समाज को सोचने पर मजबूर करता है। विश्व स्तर पर स्थिति और भी चिंताजनक है। अनुमान के मुताबिक दुनियाभर में हर साल करीब 70 लाख लोगों की मौत तंबाकू के सेवन से होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू उपयोग करने वालों की औसत आयु लगभग 15 साल कम हो जाती है और इनमें से करीब आधे लोग समय से पहले मौत का शिकार हो जाते हैं। गर्भावस्था के दौरान तंबाकू का सेवन मां और बच्चे दोनों के लिए खतरनाक साबित होता है। इससे बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित होता है और जन्म के समय कम वजन या अन्य जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे-2 के अनुसार भारत में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के करीब 28.6 प्रतिशत लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें बड़ी संख्या दैनिक उपयोग करने वालों की है, जबकि कुछ लोग कभी-कभार तंबाकू का इस्तेमाल करते हैं। भारत में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला तंबाकू उत्पाद खैनी है, जिसे करीब 36 प्रतिशत लोग लेते हैं। इसके बाद बीड़ी, गुटखा और तंबाकू युक्त पान का नंबर आता है। यह दिखाता है कि धुआं-रहित तंबाकू भी उतना ही खतरनाक है, जितना धूम्रपान। तंबाकू नियंत्रण के लिए वैश्विक स्तर पर फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल एक अहम पहल है, जिसका नेतृत्व विश्व स्वास्थ्य संगठन कर रहा है। इसके तहत एमपावर पैकेज लागू किया गया है, जिसमें तंबाकू की मांग कम करने के लिए प्रभावी उपाय शामिल हैं। भारत ने भी इस दिशा में कई कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जागरूकता अभियान, उत्पादों पर चेतावनी और कर बढ़ाने जैसे फैसलों से कुछ हद तक धूम्रपान की दर में कमी आई है। सरकार ने तंबाकू उत्पादों पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाया है और हाल ही में सिगरेट पर अतिरिक्त टैक्स भी बढ़ाया गया है। इसके बावजूद तंबाकू छोड़ने वालों की संख्या अभी भी अपेक्षा से कम है।

बांग्लादेश में हिंसा की आड़ में चुनाव टालने की कोशिश? मोहम्मद यूनुस की नीयत पर उठते गंभीर सवाल

-भारत विरोध, अल्पसंख्यकों पर हमले और अस्थिर हालात से लोकतंत्र के भविष्य पर गहराता संकट

बांग्लादेश में आगामी 12 फरवरी 2026 को प्रस्तावित आम चुनावों से ठीक पहले देश जिस प्रकार हिंसा, आगजनी और अराजकता की आग में झुलस रहा है, उसने न केवल वहां की जनता को चिंतित किया है बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की राजनीति को भी असहज कर दिया है। सवाल यह नहीं रह गया है कि हालात क्यों बिगड़ रहे हैं, बल्कि अब बड़ा प्रश्न यह है कि क्या यह सब एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है?

क्या अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस चुनाव टालने की कोशिश कर रहे हैं? और यदि हां, तो इसके पीछे किसका हाथ है?

हिंसा की पृष्ठभूमि: संयोग या साजिश?

चुनाव से करीब डेढ़ माह पहले अचानक देश के विभिन्न हिस्सों में हिंसा का भड़क उठना महज़ संयोग नहीं माना जा सकता। ढाका सहित कई शहरों में आगजनी, तोड़फोड़, सरकारी संपत्तियों पर हमले और विशेष रूप से हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं यह संकेत देती हैं कि हालात को जानबूझकर अस्थिर किया जा रहा है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार या तो हालात पर नियंत्रण करने में पूरी तरह असफल साबित हो रही है या फिर जानबूझकर आंखें मूंदे बैठी है। दोनों ही स्थितियां लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक हैं। यदि सरकार अक्षम है तो उसे सत्ता में बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं, और यदि वह मौन सहमति से हिंसा को बढ़ावा दे रही है तो यह एक गंभीर साजिश की ओर इशारा करता है।

भारत विरोध: सत्ता में बने रहने का हथियार?

मोहम्मद यूनुस की राजनीति का सबसे स्पष्ट और चिंताजनक पहलू उनका खुला भारत विरोध है। वे लंबे समय से भारत विरोधी बयानों और नैरेटिव के लिए जाने जाते रहे हैं। अंतरिम सरकार के मुखिया

बनने के बाद उनके तेवर और अधिक तीखे हो गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि यूनुस भारत विरोध को जनता में लोकप्रिय होने और सत्ता में बने रहने के एक "रामबाण उपाय" के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। बांग्लादेश की राजनीति में यह कोई नई बात नहीं है कि जब भी कोई नेतृत्व कमजोर पड़ता है, तो भारत विरोध की आग भड़का दी जाती है। यूनुस भी उसी पुराने फार्मूले पर चलते दिख रहे हैं। भारत ने शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद भी बांग्लादेश के साथ रिश्ते सुधारने की कई कोशिशें कीं, लेकिन यूनुस सरकार की ओर से हर बार अविश्वास और विरोध ही सामने आया।

शेख हसीना प्रकरण और प्रत्यर्पण का दबाव

गत नवंबर माह में जब बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय अपराध ट्रिब्यूनल ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मृत्युदंड की सजा सुनाई, तब मोहम्मद यूनुस ने भारत पर तुरंत दबाव बनाना शुरू कर दिया। उन्होंने भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करते हुए प्रत्यर्पण संधि का हवाला दिया। असल उद्देश्य न्याय से अधिक राजनीति प्रतीत होता है। यूनुस यह संदेश देना चाहते थे कि वे शेख हसीना या भारत के प्रति किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरत रहे हैं। खासकर छात्र वर्ग और कट्टरपंथी समूहों को यह भरोसा दिलाना जरूरी था कि अंतरिम सरकार पूरी तरह भारत विरोधी लाइन पर ही चल रही है।

उस्मान हादी हत्या मामला: संदेह की सुई यूनुस पर

स्थिति तब और गंभीर हो गई जब उस्मान हादी के भाई उमर हादी ने यह आरोप लगाया कि उनके भाई की हत्या मोहम्मद यूनुस के इशारे पर करवाई गई। आरोप का उद्देश्य स्पष्ट बताया गया—चुनाव टालने के लिए माहौल बिगाड़ना। हालांकि इन आरोपों की न्यायिक जांच अभी शेष है, लेकिन इस बयान ने यूनुस पर उठ रहे संदेह को और गहरा कर दिया है। जब एक राजनीतिक हत्या को सीधे सत्ता के शीर्ष से जोड़कर देखा जाने लगे, तो लोकतंत्र खतरे में समझा जाता है।

सत्ता का मोह और लोकतंत्र की बलि

नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस से यह अपेक्षा की जाती थी कि वे बांग्लादेश को स्थिरता, शांति और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की ओर ले जाएंगे। लेकिन मौजूदा हालात में उनका आचरण इसके ठीक उलट दिखाई देता है। ऐसा लगता है कि 'सत्ता का मोह' उनसे छूट नहीं रहा है। अंतरिम सरकार का मूल उद्देश्य केवल चुनाव तक देश चलाना और फिर सत्ता निर्वाचित प्रतिनिधियों को सौंप देना होता है। लेकिन यूनुस की गतिविधियां यह संकेत देती हैं कि वे किसी भी कीमत पर सत्ता में बने रहना चाहते हैं। हिंसा, अराजकता और अस्थिरता यदि चुनाव टालने का बहाना बनती है, तो यह लोकतंत्र की खुली हत्या होगी।

जुलाई–अगस्त 2024: अस्थिरता की शुरुआत

बांग्लादेश में मौजूदा अस्थिरता की जड़ें पिछले वर्ष जुलाई–अगस्त 2024 में दिखाई देती हैं। उस समय शेख हसीना सरकार की कथित छात्र विरोधी नीतियों के खिलाफ छात्र आंदोलन शुरू हुआ था। प्रारंभ में यह आंदोलन लोकतांत्रिक प्रतीत हुआ, लेकिन जल्द ही यह दिशा भटक गया। देखते-देखते यह आंदोलन तथाकथित 'जेन-जी' आंदोलन में बदल गया और फिर जमाते इस्लामी जैसे कट्टरपंथी संगठनों के हाथों में चला गया। इन संगठनों का उद्देश्य साफ था—भारत समर्थक शेख हसीना सरकार को हटाना और देश में शरीयत आधारित व्यवस्था की ओर बढ़ना।

हिंसा का वीभत्स रूप

इस आंदोलन ने जल्दी ही हिंसक रूप ले लिया। प्रधानमंत्री आवास, सरकारी इमारतें, स्मारक और भारत समर्थक नेताओं के घर निशाने पर आए। पत्रकारों की हत्याएं हुईं, हिंदू समुदाय पर हमले किए गए और खुलेआम आगजनी हुई। इस अराजकता के बीच 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना को पद छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी। यह बांग्लादेश के लोकतांत्रिक इतिहास का एक काला अध्याय था।

अंतरिम सरकार का गठन और वादे

सेना और कुछ विपक्षी नेताओं के हस्तक्षेप के बाद हालात कुछ हद तक संभले और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन हुआ। उस समय यह वादा किया गया था कि अनुकूल माहौल बनते ही आम चुनाव कराए जाएंगे और लोकतंत्र बहाल किया जाएगा। बाद में चुनाव की तारीख 12 फरवरी 2026 घोषित की गई। लेकिन तारीख तय होते ही यूनुस सरकार की नीयत पर सवाल उठने लगे।

चुनाव होंगे या नहीं?

आज सबसे बड़ा सवाल यही है—क्या बांग्लादेश में तय समय पर चुनाव हो पाएंगे?

मोहम्मद यूनुस भले ही यह दावा कर रहे हों कि चुनाव निर्धारित तिथि पर ही होंगे, लेकिन ज़मीनी हालात उनके दावों को झुठलाते नजर आते हैं। हिंसा, अल्पसंख्यकों पर हमले, भारत विरोधी उन्माद और राजनीतिक हत्याओं के आरोप—ये सभी संकेत देते हैं कि चुनाव टालने की ज़मीन तैयार की जा रही है।

बांग्लादेश किस मोड़ पर?

बांग्लादेश आज एक नाज़ुक मोड़ पर खड़ा है। यदि समय रहते हालात नहीं संभाले गए, तो यह देश एक बार फिर कट्टरपंथ, सैन्य हस्तक्षेप और अराजकता के दलदल में फंस सकता है। मोहम्मद यूनुस के लिए यह परीक्षा की घड़ी है। वे चाहें तो इतिहास में एक ऐसे नेता के रूप में दर्ज हो सकते हैं जिसने बांग्लादेश को संकट से बाहर निकाला, या फिर ऐसे शासक के रूप में जिसने सत्ता के मोह में लोकतंत्र की बलि दे दी। आने वाले दिन तय करेंगे कि बांग्लादेश का भविष्य लोकतंत्र के हाथ में होगा या फिर हिंसा और साज़िशों के। 12 फरवरी 2026 के प्रस्तावित आम चुनाव से पहले बांग्लादेश हिंसा, आगजनी और अराजकता की चपेट में है, जिससे पूरे दक्षिण एशिया में चिंता बढ़ गई है। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस पर आरोप है कि वे चुनाव टालने के लिए हालात को अस्थिर होने दे रहे हैं। भारत विरोधी बयानबाज़ी, अल्पसंख्यकों पर हमले और राजनीतिक हत्याओं के आरोप संदेह को गहरा करते हैं। । शेख हसीना प्रकरण और प्रत्यर्पण का दबाव भी राजनीति से प्रेरित दिखता है।

नए साल 2026 में भारत बनेगा दुनिया का सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजार, महंगाई नियंत्रण और सस्ते कर्ज से बढ़ेगी खपत

-कम महंगाई, घटती ब्याज दरें और मजबूत ग्रामीण मांग से भारतीय अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार मिलेगी

वर्ष 2026 की शुरुआत भारत के लिए आर्थिक आशा और भरोसे की नई कहानी लेकर आती दिखाई दे रही है। दुनिया भर में जहां मंदी, युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव और महंगाई आम लोगों की चिंता बढ़ा रहे हैं, वहीं भारत का उपभोक्ता बाजार उम्मीद, स्थिरता और तेज़ विकास का संकेत दे रहा है। हाल के महीनों में प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय और घरेलू रिपोर्टों से साफ है कि भारत न केवल आर्थिक रूप से मजबूती की ओर बढ़ रहा है, बल्कि उपभोक्ताओं का भरोसा भी अभूतपूर्व स्तर पर है। यही वजह है कि वैश्विक परामर्श कंपनी बीसीजी (BCG) की 'ग्लोबल कंज्यूमर रडार' रिपोर्ट ने भारत को वर्ष 2026 के लिए दुनिया का सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजार बताया है।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारतीय भरोसा

आज की वैश्विक तस्वीर पर नज़र डालें तो अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों में महंगाई, ब्याज दरों का दबाव और आर्थिक सुस्ती आम उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को कमजोर कर रही है। कई देशों में रोजगार की अनिश्चितता और सामाजिक असंतोष भी देखने को मिल रहा है। इसके विपरीत भारत में उपभोक्ता मौजूदा वैश्विक आर्थिक मंदी और भू-राजनीतिक संघर्षों से काफी हद तक अप्रभावित दिखाई दे रहे हैं। भारतीय उपभोक्ता न केवल खर्च करने को तैयार हैं, बल्कि भविष्य को लेकर उनका नजरिया भी सकारात्मक बना हुआ है। बीसीजी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लोग आने वाले समय को लेकर आशावादी हैं और उनकी खपत करने की इच्छा लगातार बढ़ रही है। यही सकारात्मक मानसिकता किसी भी अर्थव्यवस्था की असली ताकत होती है, क्योंकि उपभोक्ता मांग ही आर्थिक पहियों को गति देती है।

महंगाई में ऐतिहासिक गिरावट

भारत की इस मजबूत स्थिति का सबसे बड़ा कारण महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की दिसंबर 2025 में जारी रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2025 में खुदरा महंगाई दर 0.71 फीसदी रही। अक्टूबर में यह 0.25 फीसदी थी। हालांकि इसमें मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई, लेकिन इसके बावजूद यह लगातार दसवें महीने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के चार फीसदी के लक्ष्य से नीचे रही। यह और भी अहम है कि लगातार दूसरे महीने खुदरा महंगाई एक फीसदी से नीचे बनी रही। सितंबर 2025 में यह 1.44 फीसदी थी, लेकिन उसके बाद इसमें तेज गिरावट आई। महंगाई का इतना निचला स्तर भारत जैसे विशाल और विविधता भरे देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे आम आदमी की रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर सीधा सकारात्मक असर पड़ता है।

सस्ते कर्ज से बढ़ेगी खरीदारी की ताकत

महंगाई में गिरावट का सीधा लाभ ब्याज दरों में कटौती के रूप में सामने आया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो रेट में 25 आधार अंकों की कटौती की, जिसके बाद रेपो रेट घटकर 5.25 फीसदी रह गया है। आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया कि इस समय देश में महंगाई रिकॉर्ड निचले स्तर 2.2 फीसदी के आसपास है। रेपो रेट में कटौती का असर अब धीरे-धीरे बैंकों के जरिए आम ग्राहकों तक पहुंचने लगा है। होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन जैसी सुविधाओं की ईएमआई कम हो रही है। इससे आम आदमी की खर्च योग्य आय बढ़ेगी और लोग अधिक खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। यही प्रक्रिया उपभोक्ता बाजार को मजबूत बनाती है।

नकदी बढ़ाने के लिए आरबीआई का बड़ा कदम

भारतीय रिजर्व बैंक ने जनवरी 2026 में बैंकिंग सिस्टम में नकदी की कमी को दूर करने के लिए 3 लाख करोड़ रुपये डालने का फैसला किया है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि बैंकों के पास पर्याप्त धन उपलब्ध रहे और वे उद्योगों व उपभोक्ताओं को आसानी से कर्ज दे सकें। जब बाजार में नकदी बनी रहती है और कर्ज सस्ता होता है, तो आर्थिक गतिविधियां तेज होती हैं। उद्योग निवेश बढ़ाते हैं, नए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं और खपत में वृद्धि होती है। यही चक्र किसी भी अर्थव्यवस्था को गति देने का काम करता है।

मार्च 2026 में और कटौती की उम्मीद

तेजी से बदलते सकारात्मक आर्थिक संकेतों को देखते हुए यह संभावना भी जताई जा रही है कि मार्च 2026 की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में आरबीआई रेपो रेट में और कटौती कर सकता है। इसका एक प्रमुख कारण महंगाई पर बना मजबूत नियंत्रण है। यदि ब्याज दरें और घटती हैं, तो इसका सीधा फायदा उपभोक्ताओं और निवेशकों दोनों को मिलेगा। सस्ते कर्ज से न केवल घरेलू खपत बढ़ेगी, बल्कि उद्योगों को भी विस्तार का अवसर मिलेगा। इससे विकास दर को नई रफ्तार मिल सकती है।

मजबूत जीडीपी ग्रोथ का अनुमान

भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 7.3 फीसदी लगाया गया है। वैश्विक हालात को देखते हुए यह दर बेहद प्रभावशाली मानी जा रही है। जब दुनिया के कई बड़े देश धीमी विकास दर से जूझ रहे हैं, ऐसे में भारत का 7 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ना यह दिखाता है कि देश की आर्थिक नींव मजबूत है। यह मजबूती उपभोक्ता बाजार में भी साफ दिखाई देती है।

कृषि और ग्रामीण भारत से मिल रही ताकत

भारत की अर्थव्यवस्था को इस समय ग्रामीण क्षेत्रों से भी मजबूत सहारा मिल रहा है। विभिन्न अध्ययन रिपोर्टों में बताया गया है कि गांवों में खपत तेजी से बढ़ रही है। इसका एक बड़ा कारण कृषि क्षेत्र का बेहतर प्रदर्शन है। वर्ष 2024-25 में देश में 35.77 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। अच्छे मानसून और अनुकूल मौसम ने किसानों की आय बढ़ाई है। जब ग्रामीण आय बढ़ती है, तो उसका सीधा असर खपत पर पड़ता है। ट्रैक्टर, दोपहिया वाहन, मोबाइल फोन, घरेलू उपकरण और रोजमर्रा की वस्तुओं की मांग बढ़ती है, जिससे उपभोक्ता बाजार को नई ऊर्जा मिलती है।

दृष्टिकोण : सोशल मीडिया से 'तुलना' का रोग बढ़ा

-खुद से मुकाबला असली जीत, तुलना सिर्फ हार दिलाती है

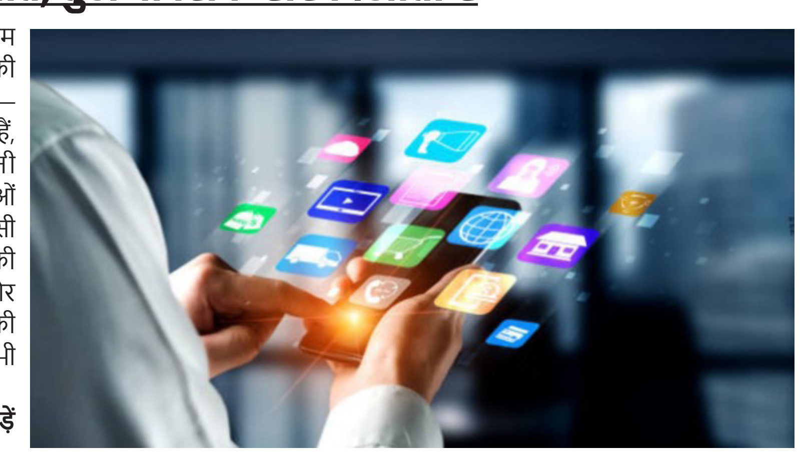

जीवन एक निरंतर चलने वाली यात्रा है, जिसमें हर इंसान आगे बढ़ने, कुछ हासिल करने और अपनी पहचान बनाने की कोशिश करता है। लेकिन इस यात्रा में सबसे बड़ी भूल जो आज की पीढ़ी कर रही है, वह है – दूसरों से अपनी तुलना करना। यह प्रवृत्ति अब केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक "मानसिक रोग" बन चुकी है, जिसकी जड़ें गहराई तक हमारी सोच और जीवनशैली में पैठ बना चुकी हैं। सोशल मीडिया ने इस रोग को और बढ़ा दिया है, जहां हर दिन हमें किसी की नई सफलता, आलीशान जिंदगी या दिखावटी मुस्कान देखने को मिलती है।

सोशल मीडिया की चमक और तुलना का ज़हर

आज इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब, स्नैपचैट जैसे प्लेटफॉर्म्स पर हर कोई अपनी "बेस्ट झलक" दुनिया को दिखाता है।

लेकिन यह सच का पूरा चेहरा नहीं होता। किसी की हंसी के पीछे थकावट हो सकती है, किसी की सफलता के पीछे संघर्ष और आँसू छिपे होते हैं। फिर भी हम वही देखते हैं जो कैमरे के सामने है — और यहीं से शुरू होती है "तुलना की बीमारी।"

हम सोचते हैं — "उसकी लाइफ इतनी परफेक्ट क्यों लगती है?" "उसके पास इतना सब कुछ कैसे है?" "मैं इतना पीछे क्यों हूं?" यही सवाल हमें भीतर से तोड़ते हैं। धीरे-धीरे यह आदत हमारी खुशी छीन लेती है और हमें अपने जीवन से असंतुष्ट बना देती है।

तुलना से पैदा होती है अधीरता और आत्मसंदेह

जब कोई व्यक्ति लगातार दूसरों से अपनी तुलना करता है, तो उसके मन में अधीरता (impatience) और आत्मसंदेह (self-doubt) घर कर लेते हैं। वह यह भूल जाता है कि हर इंसान का जीवन अलग परिस्थितियों, अवसरों और सीमाओं में ढला होता है। किसी के पास बेहतर साधन हैं, तो किसी के पास बेहतर समय। किसी की शुरुआत पहले हुई, तो किसी का संघर्ष अधिक लंबा है। लेकिन हम इन सब बातों को नजरअंदाज कर सिर्फ नतीजे देखते हैं। यह वैसा ही है जैसे आम और सेब की तुलना करना — दोनों अलग हैं, अपनी-अपनी विशेषताओं के साथ। इसी तरह हम सबकी पहचान और सफलता की परिभाषा भी अलग है।

तुलना की जड़ें बचपन से

यह आदत अचानक नहीं आती। हमारे समाज में बचपन से ही तुलना की बुनियाद रख दी जाती है।

स्कूल में कहा जाता है — "देखो, शर्मा जी का बेटा फर्स्ट आया है, तुम क्यों नहीं?" "पड़ोसी की बेटी कितनी आज्ञाकारी है, तुम क्यों नहीं बन सकते वैसे?" धीरे-धीरे यह मानसिकता गहरी होती चली जाती है।

हम हर चीज़ में दूसरों से मापने लगते हैं — हमारा रिजल्ट, नौकरी, तनख्वाह, गाड़ी, घर, शादी, यहां तक कि हमारी खुशी भी।

तुलना के दुष्परिणाम: अंदरूनी अशांति और अवसाद

तुलना का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह मन की शांति को खत्म कर देती है। जो हमारे पास है, उसमें संतोष नहीं रह पाता। हम लगातार दूसरों की तरफ देखते रहते हैं और खुद को 'कमतर' महसूस करते हैं। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, सोशल मीडिया की अत्यधिक तुलना डिप्रेशन, एंग्जायटी और कम आत्मविश्वास जैसी समस्याओं को बढ़ाती है। जब हम किसी और की सफलता देखकर खुद को असफल मान लेते हैं, तो यह आत्मसम्मान को चोट पहुँचाता है। धीरे-धीरे यह मानसिक थकान में बदल जाता है, और व्यक्ति अपनी असली पहचान से दूर होने लगता है।

तुलना नहीं, प्रेरणा लें

जरूरी यह नहीं कि हम दूसरों को देखकर खुद को नीचा समझें। जरूरी यह है कि हम दूसरों की सफलता से प्रेरणा लें, न कि हीन भावना। अगर किसी ने कुछ बड़ा किया है, तो वह यह प्रमाण है कि "यह संभव है।" उससे सीखें, उसके अनुभवों को समझें, लेकिन यह न सोचें कि "मैं वैसा क्यों नहीं हूं।" हर इंसान का रास्ता अलग है — किसी की मंज़िल जल्दी आती है, किसी की देर से, लेकिन आती जरूर है।

खुद से मुकाबला ही असली जीत है

जीवन में असली प्रतिस्पर्धा किसी और से नहीं, खुद से होती है। आज आप कल से बेहतर बन पाए — यही सफलता है। अगर कल आपने 10 कदम चले और आज 11 चले, तो आपने जीत हासिल की। जो व्यक्ति हर दिन खुद को थोड़ा-थोड़ा सुधारता है, वह किसी भी बड़े लक्ष्य तक पहुंच सकता है। क्योंकि जब प्रतिस्पर्धा खुद से होती है, तो उसमें ईर्ष्या नहीं, बल्कि विकास की भावना होती है।

तुलना छोड़कर आत्ममूल्य बढ़ाने के तरीके

कृतज्ञता (Gratitude) अपनाएं: हर दिन उन चीजों को याद करें जिनके लिए आप शुक्रगुज़ार हैं — परिवार, सेहत, शिक्षा, मित्र, अनुभव। जब हम आभार जताते हैं, तो हमें अपनी दौलत का एहसास होता है।

सोशल मीडिया पर सीमाएं तय करें: हर दिन घंटों दूसरों की लाइफ स्क्रॉल करने से बेहतर है कि आप अपने लक्ष्य पर ध्यान दें। कोशिश करें कि सोशल मीडिया को "सूचना का माध्यम" बनाएं, न कि "तुलना का मंच।"

स्वयं के लक्ष्य तय करें: जो काम आप करना चाहते हैं, वह अपने मन से करें, न कि दूसरों की नकल में।

अपने लक्ष्य को छोटा रखें लेकिन सच्चा रखें।

खुद को सराहना सीखें: छोटी-छोटी उपलब्धियों पर खुद को शाबाशी दें। यह आत्मविश्वास बढ़ाने का सबसे सशक्त तरीका है।

धैर्य रखें: हर चीज़ समय लेती है — चाहे वह सफलता हो या आत्मविकास। दूसरों की रफ्तार देखकर अपना संतुलन न खोएं।

सफलता का असली मापदंड

सफलता का अर्थ केवल पैसा या प्रसिद्धि नहीं है। सफलता का मतलब है — शांति, संतोष और आत्मविश्वास।

अगर कोई व्यक्ति अपनी जिंदगी से खुश है, अपने काम में समर्पित है और अपने अंदर संतुलन बनाए रखता है, तो वही सच में सफल है। दूसरों की चमकती तस्वीरें सिर्फ उनका "मंच" दिखाती हैं, "मंच के पीछे" का संघर्ष नहीं। इसलिए सफलता को केवल दिखावे के आधार पर न तोलें।

'परफेक्शन' नहीं, 'प्रगति' को अपनाएं

कई बार हम अपने जीवन में 'परफेक्ट' बनने की कोशिश में खुश रहना भूल जाते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि परफेक्शन एक मरीचिका (illusion) है — जो कभी पूरी तरह हासिल नहीं होती। इसके बजाय अगर हम "प्रगति" पर ध्यान दें — यानी हर दिन थोड़ा-थोड़ा बेहतर बनने की कोशिश करें — तो जीवन कहीं ज्यादा सरल और संतुलित बन जाता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेश सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में तेजी से अग्रसर

-मजबूत डिजिटल एवं डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए की कई नीतिगत पहल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी एवं आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस सहित नए उभरते हुए क्षेत्रों में तेजी से अग्रसर हो रहा है। राज्य सरकार पिछले 2 वर्षों में एआई, बिग डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉक चेन, क्लाउड कम्प्यूटिंग, एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, एक्सटेंडेड रिएलिटी जैसे क्षेत्रों के लिए बेहतर इकोसिस्टम तैयार करने के उद्देश्य से 4 नई नीतियां लेकर आई है। राजस्थान में मजबूत डिजिटल एवं डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए अब सरकार 4 से 6 जनवरी तक राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 का आयोजन करने जा रही है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया मिशन में योगदान देते हुए प्रदेश को आईटी-आईटीईएस हब बनाने के लिए लाई गई राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025, राजस्थान AVGC-XR नीति-2024, राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी-2025 और राजस्थान एआई एमएल पॉलिसी-2026 से प्रदेश में स्थानीय प्रतिभाओं को रोजगार के अवसर मिलने के साथ ही अर्थव्यवस्था को और तेज गति मिलेगी।

विश्वस्तरीय डेटा सेंटर इकोसिस्टम होगा विकसित

जयपुर स्थित भामाशाह डेटा सेंटर 800 रैक वाला स्टेट ऑफ आर्ट टियर-4 डेटा सेंटर है। यह सरकारी स्वामित्व वाला देश का सबसे बड़ा डेटा सेंटर है। डेटा की बढ़ती उपयोगिता और डेटा स्टोरेज पर बढ़ती निर्भरता को देखते हुए अब राजस्थान में निजी क्षेत्र में डेटा सेंटर्स की स्थापना को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी-2025 का लक्ष्य प्रदेश में एक विश्व स्तरीय डेटा सेंटर इकोसिस्टम विकसित कर राजस्थान को डेटा सेंटर क्षेत्र का प्रमुख केन्द्र बनाना है। यह नीति डेटा सेंटर्स की गतिविधियों की दक्षता, सुरक्षा और विश्वसनीयता को प्रभावशाली बनाएगी। साथ ही, राज्य में डेटा प्रबंधन, प्रदर्शन और सुरक्षा के उच्च मानकों को सुनिश्चित करने से संबंधित दिशा-निर्देशों को निर्धारित करने में भी मदद करेगी। इस नीति के तहत डेटा सेंटर सेक्टर को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रावधान किए गए हैं, जिनमें 10 वर्षों तक 10-20 करोड़ रुपये वार्षिक एसेट क्रिएशन इंसेंटिव, 100 करोड़ से अधिक निवेश करने वाले पहले 3 डेटा सेंटर्स को 25 प्रतिशत अतिरिक्त सनराइज इंसेंटिव शामिल हैं। साथ ही, 5 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान, बैंकिंग, ट्रांसमिशन व व्हीलिंग शुल्क में 100 प्रतिशत छूट, भूमि संबंधी फ्लेक्सिबल भुगतान सुविधा, स्टांप ड्यूटी, भू-रूपांतरण व विद्त शुल्क में छूट, तथा 10 करोड़ रुपए तक बाह्य विकास शुल्क से छूट के भी प्रावधान किए गए हैं।

आईटी क्षेत्र के जीसीसी का हब बन सकता है जयपुर

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से निकटता, बेहतर कनेक्टिविटी, उच्च गुणवत्ता के कॉमर्शियल स्पेस की उपलब्धता, कुशल आईटी प्रोफेशनल्स की उपलब्धता, कम स्थापना लागत और व्यवसाय अनुकूल वातावरण के कारण ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की स्थापना हेतु आईटी-आईटीइएस क्षेत्र की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए जयपुर एक आदर्श स्थान साबित हो सकता है। जीसीसी स्थापना को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025 लेकर आई है। यह नीति वर्ष 2030 तक प्रदेश में 200 से अधिक जीसीसी स्थापित करने, 1.50 लाख रोजगार सृजित करने के साथ भारत के 100 अरब डॉलर के जीसीसी बाजार में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लक्ष्य पर आधारित है। इस नीति के माध्यम से जयपुर, उदयपुर, जोधपुर जैसे शहरों को जीसीसी हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इसमें जीसीसी के लिए आवेदन प्रक्रिया को सुगम बनाया गया है ताकि अधिक से अधिक निवेशक राजस्थान में निवेश करें।

एनिमेशन फिल्मों, गेम्स एवं कॉमिक्स को मिलेगा अनुदान

एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्स्टेंडेड रिएलिटी के क्षेत्र में स्थानीय प्रतिभाओं एवं संसाधनों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार राजस्थान ।टळब्.ग्त् नीति-2024 लेकर आई है। इस नीति में राज्य में बनने वाली एनिमेशन फिल्मों, गेम्स एवं कॉमिक्स को उत्पादन अनुदान देने का प्रावधान किया गया है। स्थानीय संस्कृति और सामग्री निर्माण पर ध्यान केन्द्रित करने वाले स्टार्ट अप्स व उद्यमों को अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। इस क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अटल इनोवेशन स्टूडियो और एक्सेलेरेटर स्थापित किए जाएंगे। ये स्टूडियो कोडिंग, वीएफएक्स लैब एवं एडवांस्ड कम्प्यूटिंग सुविधाओं से लैस होंगे। इससे युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन भी मिलेगा और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे।

ई-गवर्नेंस को विस्तार देगी एआई एमएल पॉलिसी

राजस्थान एआई एमएल पॉलिसी-2026 प्रदेश को निवेश एवं नवाचार के उभरते केन्द्र के रूप में विकसित करने में सहायक सिद्ध होगी। सेवा प्रदायगी में सूचना प्रौद्योगिकी के महत्व को देखते हुए ई-गवर्नेंस के विस्तार को सुनिश्चित करने के लिए यह नीति लाई जा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग का उत्तरदायी, नैतिक एवं सुरक्षित उपयोग हो तथा एआई के बेहतर उपयोग से पब्लिक सर्विस डिलिवरी को तेज, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाना इस नीति के प्रमुख उद्देश्य हैं। इस नीति के अंतर्गत एआई प्रणालियों में पक्षपात को कम करने, डेटा की सुरक्षा और निर्णय प्रक्रिया की स्पष्टता पर विशेष बल दिया गया है। नीति में एआई से जुड़े साइबर अपराधों की रिपोर्टिंग एवं समाधान हेतु स्पष्ट प्रक्रियाओं का प्रावधान भी किया गया है। नीति के अन्तर्गत प्रदेश में एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना करना भी शामिल है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक

-स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रदेश की प्रगति एवं प्रयासों को सराहा

नई दिल्ली/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में स्वास्थ्य के क्षेत्र में संचालित केंद्र प्रवर्तित योजनाओं एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। नड्डा ने विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन एवं गांव—ढाणी तक स्वास्थ्य सेवाओं की सुगम पहुंच के लिए राजस्थान सरकार के प्रयासों को सराहा। उन्होंने विभिन्न नवाचारों के माध्यम से स्वास्थ्य मानकों को बेहतर करने की दिशा में उठाए गए कदमों की भी प्रशंसा की। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने बैठक में राजस्थान के स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, टीबी मुक्त भारत अभियान, दवा एवं जांच सेवाएं, मानव संसाधन, औषधि नियंत्रण, खाद्य सुरक्षा एवं सार्वजनिक-निजी सहभागिता जैसे प्रमुख मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और इन कार्यक्रमों में राजस्थान द्वारा किए गए बेहतरीन प्रयासों को सराहा। साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं को और उन्नत किए जाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संवेदनशील नेतृत्व एवं दूरदर्शी विजन के साथ गांव—गरीब तक स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करते हुए आयुष्मान भारत का संकल्प साकार किया जा रहा है। प्रसन्नता की बात है कि राजस्थान इस संकल्प की प्राप्ति में उल्लेखनीय प्रयास करते हुए नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों में राजस्थान की प्रगति, मिशन मोड में भर्तियां करने, टीबी मुक्त प्रदेश तथा औषधि नियंत्रण के क्षेत्र में राजस्थान की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की।

हर जिला अस्पताल में हो प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने बैठक में निर्देश दिए कि आमजन को रियायती दरों पर दवा की उपलब्धता के लिए सभी जिला अस्पतालों में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र तथा मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र व अमृत फार्मेसी स्थापित की जाएं। टीबी मुक्त प्रदेश की दिशा में छूटे हुए क्षेत्रों में स्क्रीनिंग एवं उपचार के लिए फरवरी माह से 100 दिवसीय अभियान चलाया जाए। इसमें जनप्रतिनिधियों की भी व्यापक स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि मिलावट के खिलाफ सख्त अभियान चलाते हुए खाद्य सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही, नकली दवाओं एवं दवाओं के अवैध कारोबार पर भी प्रभावी रूप से रोकथाम की जाए। ब्लड बैंकों का नियमों के अनुरूप संचालन सुनिश्चित किया जाए।

संवेदनशील आबादी में टीबी की 97 प्रतिशत स्क्रीनिंग

बैठक में प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने राजस्थान द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत अर्जित उल्लेखनीय प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनवरी से नवंबर 2025 के दौरान राज्य में 99 प्रतिशत टीबी केस का नोटिफिकेशन किया गया है एवं 98 प्रतिशत निजी क्षेत्र की रिपोर्टिंग दर्ज की गई। संवेदनशील आबादी की 97 प्रतिशत स्क्रीनिंग कर राजस्थान देश में अग्रणी राज्य है। साथ ही, 84 प्रतिशत लाभार्थियों को 'निक्षय मित्र' के माध्यम से पोषण सहायता उपलब्ध कराई गई है। टीबी की शीघ्र पहचान हेतु AI आधारित हैंड-हेल्ड एक्स-रे, अपफ्रंट टेस्टिंग तथा जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

नि:शुल्क दवा योजना में इस वित्तीय वर्ष में 14 करोड़ लाभान्वित

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश में नि:शुल्क दवा एवं जांच योजना का भी बेहतरीन संचालन किया जा रहा है। केंद्र सरकार के हब एण्ड स्पॉक मॉडल को लागू करते हुए प्रदेश में जांच सेवाओं का विस्तार किया गया है। इससे बड़े शहरों से लेकर गांव—कस्बों तक जांचों की संख्या बढ़ी है। साथ ही, नि:शुल्क दवा योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024—25 में 500 नवीन दवा वितरण केंद्रों की स्वीकृति जारी की गई है। योजना के तहत वर्ष 2025—26 में नवम्बर माह तक करीब 14 करोड़ रोगियों को लाभान्वित किया गया है। ई-औषधि (DVDMS) प्रणाली के माध्यम से दवा आपूर्ति को और सुदृढ़ किया गया है।

मुस्लिम महासभा की जयपुर ईस्ट जिला कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

-स्थापना दिवस ओर कार्यकर्ता सम्मेलन पर हुई चर्चा

हनीस खान कुतकपुर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेशमा सोलंकी एवं राष्ट्रीय संरक्षक सिकंदर पठान के निर्देश पर मुस्लिम महासभा की जयपुर ईस्ट जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। यह कार्यक्रम जयपुर ईस्ट जिलाध्यक्ष आमिर खान के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष इक़बाल भाटी के मार्गदर्शन में किया गया। बैठक में आगामी 5 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाले मुस्लिम महासभा के स्थापना दिवस एवं कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा आयोजन को सफल बनाने के लिए संगठनात्मक रणनीति तय की गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष आमिर खान ने संगठन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से नई नियुक्तियों की घोषणा की। जिलाध्यक्ष आमीर खान ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए इकराम खान को जिला उपाध्यक्ष, मुजैद खान को संगठन मंत्री, अरशद खान को जिला सचिव, शहबाज़ खान को मीडिया प्रभारी, बुन्द खान एवं रफीक खान को सह-सचिव, तथा ख़लील खान, असलम खान और रईस खान को जिला सचिव के पद पर नियुक्त किया। कार्यक्रम के दौरान सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को माला पहनाकर एवं नियुक्ति पत्र प्रदान कर उनके पद की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। प्रदेश अध्यक्ष इक़बाल भाटी ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठनात्मक एकता, अनुशासन और समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष इक़बाल भाटी ने बताया कि इस मौके पर विशिष्ट अतिथि प्रदेश महासचिव मिर्ज़ा वासिद बेग ओर प्रदेश उपाध्यक्ष जाफर हुसैन भी उपस्थित रहे।

सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 अंतिम चरण में: कॉन्टेस्ट, क्रिएटिविटी और भीड़ से चरम पर उत्साह

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला- 2025 अब अपने अंतिम पड़ाव की ओर अग्रसर है और जैसे-जैसे समापन नज़दीक आ रहा है, मेले का उत्साह और आकर्षण अपने शिखर पर दिखाई दे रहा है। शुक्रवार को मेले में दर्शकों और प्रतिभागियों के बीच खासा उत्साह देखने को मिला। इसकी प्रमुख वजह शनिवार को इन्फ्लुएंसर्स और विज़िटर्स के लिए आयोजित विशेष कॉन्टेस्ट के नतीजों को लेकर बना रोमांच रहा। परिणाम घोषित होने से ठीक एक दिन पहले प्रतिभागियों में बेहतर प्रदर्शन करने और आकर्षक पुरस्कार अपने नाम करने का जोश साफ झलक रहा था। मेले का हर कोना आज रचनात्मकता और उमंग से भरा नज़र आया। कहीं कैमरों की क्लिक का उत्साह था तो कहीं सोशल मीडिया के लिए रील्स और वीडियो बनाते युवा दिखाई दिए। नए साल के आगमन की खुशी ने भी इस उत्सव में चार चांद लगा दिए, जिसके चलते पिछले दिनों की तुलना में आज आगन्तुकों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इसके साथ ही मेले में प्रतिदिन आयोजित होने वाले लकी ड्रा ने भी खरीदारों के उत्साह को लगातार बनाए रखा है। लकी ड्रा के माध्यम से फ्रिज, वॉशिंग मशीन और स्मार्टफोन जैसे आकर्षक इनाम जीतने का अवसर ग्राहकों को अधिक खरीदारी के लिए प्रेरित कर रहा है, जिससे मेले में बिक्री को भी खासा बढ़ावा मिला है। मेले में भाग लेने आईं स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएं भी इस माहौल से बेहद उत्साहित हैं। उनके हस्तनिर्मित उत्पादों को मिल रही पहचान और सराहना ने उनके आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। अपने हुनर और प्रतिभा को मिल रहा सम्मान और आजीविका के सशक्त अवसर उन्हें न केवल आर्थिक रूप से मजबूत बना रहे हैं बल्कि सामाजिक रूप से भी सशक्त करने का कार्य कर रहे हैं। उनकी मुस्कान और आत्मविश्वास इस बदलाव की सजीव तस्वीर पेश कर रही है। जैसे-जैसे मेला अपने समापन की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे यहाँ से जुड़ी यादें, अनुभव और प्रेरणाएँ आगंतुकों के मन में लंबे समय तक बनी रहने का भरोसा जगा रही हैं।

नगर निगम जयपुर की सतर्कता कार्रवाई, 2 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में शुक्रवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में सरदार पटेल मार्ग, एसएमएस, ट्रोमा, जय क्लब, टोंक रोड़ से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुये 2 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में सरदार पटेल मार्ग, एसएमएस, ट्रोमा, जय क्लब, टोंक रोड़ से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 2 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 की तैयारियां तेज, मुख्य सचिव ने जेईसीसी में लिया जायजा

-4 से 6 जनवरी तक जयपुर के जेईसीसी में होगा मेगा टेक समिट

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 के कार्यक्रम स्थल जेईसीसी सीतापुरा, जयपुर पहुंच कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य समारोह एवं विभिन्न सत्रों के लिए निर्धारित हॉल सहित सम्पूर्ण आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य सचिव ने समस्त संबंधित नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर समिट के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों को निश्चित समयावधि में पूरा कर आयोजन को ऐतिहासिक बनाया जाए। मुख्य सचिव ने बताया कि डिजिफेस्ट में 6 जनवरी को राजस्थान रीजनल एआई इम्पेक्ट कॉन्फ्रेंस का भी आयोजन किया जाएगा। इस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान एआई/एमएल पॉलिसी-2026 को लॉन्च करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप डिजिफेस्ट को भव्य स्वरूप देने की तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राजस्थान में पहली बार बड़े स्तर पर आयोजित होने जा रहे इस समिट में शामिल होने वाले 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि डिजिफेस्ट में 1200 से अधिक ग्लोबल कम्पनियों के फाउण्डर, सीईओ व निवेशकों सहित 20 से अधिक यूनिकॉर्न/सूनिकॉर्न स्टार्टअप्स के फाउण्डर शामिल होंगे। साथ ही, समिट में आयोजित हो रहे विभिन्न सत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी। श्रीनिवास ने कहा कि समिट में फ्रंटियर टेक्नोलॉजी, यूज ऑफ एआई सहित विभिन्न विषयों की प्रभावी जानकारी से सुशासन में तकनीक के प्रयोग में बढ़ोतरी होगी और प्रदेश में सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी और साइबर सिक्योर टेक्नोलॉजी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि डिजिफेस्ट के माध्यम से राजस्थान, आईटी सेक्टर के मेजर इंवेस्टर्स को आकर्षित करने में सफल रहेगा। साथ ही, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की राजस्थान को एक डिजिटल फ्रेंडली इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन रूप में विकसित करने की परिकल्पना को भी साकार किया जा सकेगा। शासन सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने बताया कि आयोजन स्थल पर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में राजस्थान एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी लाई गई। इसी दिशा में कार्य करते हुए इस समिट में फिल्म फेस्ट, कॉमिकॉन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनसे प्रदेश को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी तथा निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकेंगे।

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने बताया कि विभिन्न सत्रों के जरिए युवा उद्यमियों और स्टार्टअप्स को ई-कॉमर्स, प्रोपटेक, हेल्थटेक, एवीजीसी-एक्सआर, एग्रीटेक, फिनटेक, मीडियाटेक, स्पोर्ट्सटेक, एआई/एमएल और डीपटेक जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के विशेषज्ञ संबंधित क्षेत्र की जानकारीयां साझा करेंगे। साथ ही, डिजिफेस्ट के माध्यम से प्रदेश के विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों के छात्रों को एआई के समुचित उपयोग के अवसर तथा ग्लोबल एक्सपोजर भी मिलेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राजस्थान के स्टार्टअप्स को फंडिंग और मेंटरिंग का वैश्विक मंच उपलब्ध कराने के लिए जयपुर के जेईसीसी में 4 से 6 जनवरी तक 'राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026' का आयोजन होने जा रहा है।

नगरीय विकास कर बकाया पर नगर निगम जयपुर की सख्त कार्रवाई

-5 संपत्तियां कुर्क, मौके पर 8.94 लाख वसूले

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार उपायुक्त मुरलीपुरा जोन पवन कुमार शर्मा नेतृत्व में शुक्रवार को 5 सम्पत्तियों के नगरीय विकास कर बकाया होने पर कुर्क की कार्यवाही की गई जिसमें 5 सम्पत्तिधारकों द्वारा 8 लाख 94 हजार 767 रूपये की राशि मौके पर ही जमा करवाया एवं 2 विवाह स्थलों को पंजीयन शुल्क जमा नहीं कराने पर सीज की कार्रवाई की गई। कार्यवाही के दौरान राजस्व अधिकारी मुरलीपुरा जोन श्रीमती संगीता जैन, राजस्व निरीक्षक अरविन्द सैनी एवं सहायक राजस्व निरीक्षक शिवम सिसोदिया एवं राजस्व टीम मौजूद रही। उपायुक्त मुरलीपुरा जोन पवन कुमार शर्मा ने बताया कि नगरीय विकास कर बकाया होने पर 5 सम्पत्तिधारकों द्वारा मौके पर ही आर.टी.जी.एस. एवं चैक के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में ब्याज/पैनल्टी पर देय छूट का लाभ लेते हुए अपनी सम्पत्ति के बकाया नगरीय विकास कर राषि 8 लाख 94 हजार 767 रूपये निगम कोष में जमा करवाई गई। जिसमें प्लाट नं.11 खसरा नं. 906, 907 देव नगर बड़ारणा, मुरलीपुरा, प्लाट नं. 1/2/3 खसरा नं. 906, 907 देव नगर बड़ारणा मुरलीपुरा, 55 जे.ए. कॉलोनी, शिवशक्ति मिष्ठान भण्डार के पास, वीकेआई रोड़ नं. 17, 54 जे.एस. कॉलोनी, शिवशक्ति मिष्ठान भण्डार के पास, वीकेआई रोड़ नं.17 सभी 05 सम्पत्तियो को निर्देषानुसार कुर्क मुक्त कर दिया गया एवं 2 विवाह स्थलों जिसमें जे.एस. कॉलोनी, लक्ष्मी स्कूल के पास, रोड नं. 17, जे.एस. कॉलोनी, लक्ष्मी स्कूल के पास, रोड़ नं. 17 का पंजीयन शुल्क जमा नहीं कराने के कारण सीज की कार्रवाई की गई।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

कार्यालय नगर पालिका, महवा (दौसा) राज.

EMAIL-nagarpalikamahwa@gmail.com फोन नं. 07461 284005

क्रमांक-नपाम/2025-26/3138 दिनांक-16/12/2025

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है निम्न आवेदकों द्वारा नगर पालिका में 90ए/69ए के तहत भूमि नियमन एवं पट्टे चाहने हेतु कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है । यदि इस सूची में दर्ज सम्पत्ति पर किसी आम व खास को कोई उज्र/आपत्ति हो तो पालिका में 07 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें, बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा और नियमानुसार उक्त कार्यवाही की जावेगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम	प्रयोजनार्थ	खसरा नं०	क्षेत्रफल
01	विष्णु कुमार प्रजापत पुत्र श्री रामराज प्रजापत	महवा	आवासीय	289/918, 290	155.88 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका, महवा

कार्यालय नगर पालिका, महवा (दौसा) राज.

EMAIL-nagarpalikamahwa@gmail.com फोन नं. 07461 284005

क्रमांक-नपाम/2025-26/3348 दिनांक-24/12/2025

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है निम्न आवेदकों द्वारा नगर पालिका में 90ए/69ए के तहत भूमि नियमन एवं पट्टे चाहने हेतु कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है । यदि इस सूची में दर्ज सम्पत्ति पर किसी आम व खास को कोई उज्र/आपत्ति हो तो पालिका में 07 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें, बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा और नियमानुसार उक्त कार्यवाही की जावेगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम	प्रयोजनार्थ	खसरा नं०	क्षेत्रफल
01	गुड्डी बाई पत्नी श्री दिगम्बर सिंह	शहदपुर	आवासीय	217	89.44 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका, महवा

सवाई माधोपुर स्थापना दिवस:
बाघ महोत्सव ओर अमरूद महोत्सव समारोह 17 से 19 जनवरी को मनाया जाएगा- जिला कलेक्टर

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर के 263वें स्थापना दिवस को बाघ महोत्सव एवं अमरूद महोत्सव के रूप में मनाने के विषय में जिला कलक्टर काना राम ने शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता की। इस दौरान जिला कलक्टर काना राम, मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया, संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार राकेश कुमार अटल, उप निदेशक कृषि आत्मा अमर सिंह, उप निदेशक पर्यटन मधुसूदन सिंह, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी सुरेन्द्र कुमार मीणा सहित अन्य अधिकारियों ने अमरूद मोहत्सव पोस्टर का विमोचन भी किया। जिला कलक्टर काना राम ने बताया कि 17 से 19 जनवरी, 2026 तक तीन दिवसीय आयोजन श्रृंखला के अंतर्गत सवाई माधोपुर की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन, खेल, पर्यावरण चेतना, कृषि नवाचार और जनसहभागिता को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उत्सव के माध्यम से जिलेवासियों सहित देशी-विदेशी पर्यटको को सवाई माधोपुर जिले की कला, संस्कृति एवं गौरव से रूबरू कराया जाएगा।

तीन दिवसीय बाघ महोत्सव का कार्यक्रम स्वरूप :-

जिला कलक्टर ने मीडिया प्रतिनिधियों को बताया कि उत्सव के प्रथम दिन, 17 जनवरी को कार्यक्रमों की शुरुआत प्रातः 9 बजे रणथम्भौर दुर्ग में त्रिनेत्र गणेश भगवान की महाआरती की जाएगी। इसके पश्चात प्रातः 10 बजे दशहरा मैदान में फोटोग्राफी प्रदर्शनी एवं लाइव आर्ट कैंप, दोपहर 12 बजे में गणेशधाम/अटल सेवा केंद्र खिलचीपुर में परम्परागत खेल कठपुतली-शो तथा सांय 5 बजे रामेश्वर घाट, खण्डार में दीपदान का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार, उत्सव के दूसरे दिन, 18 जनवरी को प्रातः 8 बजे लवकुश वाटिका चौथ का बरवाड़ा में नेचर वॉक, प्रातः 10 बजे पुलिस लाइन में फुटबॉल मैच, प्रातः 11 दशहरा मैदान में अमरूद महोत्सव का आयोजन होगा। इसी दिन दोपहर 2 बजे दशहरा मैदान में कन्हैया एवं पद दंगल तथा सांय 7 बजे दशहरा मैदान में राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। उत्सव के तीसरे दिन, 19 जनवरी को प्रातः 9 बजे नगर परिषद परिसर में सवाई माधोसिंह प्रथम की प्रतिमा पर माल्यार्पण, प्रातः 10 बजे शहर सवाई माधोपुर में शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसी दिन दोपहर 2 में दशहरा मैदान, समस्त निजी एवं राजकीय विद्यालयों में सवाई माधोपुर को जानो प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। वहीं सांय 6 बजे दशहरा मैदान में मेगा म्यूजिकल नाइट का आयोजन होगा।

अमरूद महोत्सव 2026 : -

सवाई माधोपुर के 263वें स्थापना दिवस पर पंच गौरव अन्तर्गत 18 और 19 जनवरी को अमरूद महोत्सव एवं उन्नत कृषि तकनीकी मेला 2026 के तहत दशहरा मैदान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिला कलक्टर ने जानकारी देते हुए बताया कि अमरूद महोत्सव कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के मार्गदर्शन में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने एवं खेती को लाभकारी स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस दो दिवसीय आयोजन में जिले एवं आसपास के क्षेत्रों से प्रतिदिन 10 हजार से अधिक किसानों की सहभागिता संभावित है। उन्होंने बताया कि जिले में वर्तमान में 15 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में 20 हजार से अधिक किसानों द्वारा अमरूद की व्यवसायिक खेती कर 4 लाख मैट्रिक टन वार्षिक उत्पादन किया जा रहा है। जिसका अनुमानित वार्षिक मूल्य लगभग 6 अरब रुपये है। उन्होंने बताया कि अमरूद महोत्सव में 150 से अधिक स्टॉल्स लगाई जाएगी। इनमें अमरूद की विभिन्न किस्मों, अमरूद तथा अन्य प्रसंस्करण उत्पादों, पौधों और उत्पादों की प्रदर्शनी, श्रेष्ठ उत्पादकों का सम्मान, कृषि यंत्रीकरण का जीवंत प्रदर्शन, कृषि कार्यों का लाइव डेमो, स्मार्ट फार्मिंग मॉडल, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, हाईटेक बागवानी, पशुधन एवं सहायक गतिविधियां, कृषि स्टार्टअप के डेमो, एफपीओ सहभागिता तथा कृषक वैज्ञानिक संवाद आयोजित किए जाएंगे। काना राम ने बताया कि आईसीएआर, कृषि विज्ञान केंद्र, एपीडा, सीआईपीएचईटी लुधियाना, सीआईएसएच लखनऊ, हिसार कृषि विश्वविद्यालय सहित राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों के वैज्ञानिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने जिलेवासियों, किसानों एवं पर्यटकों से अपील की कि वे इन आयोजनों में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनकर सवाई माधोपुर की सांस्कृतिक, पर्यटन एवं कृषि पहचान को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में योगदान दें। इस अवसर पर सहित मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दहेज प्रताड़ना के प्रकरण में आरोपी को न्यायालय ने किया दोषमुक्त

-एडवोकेट फिरोज खान ने की पैरवी

बारां (रॉयल पत्रिका) । थाना महिला बारां ने पीड़िता की रिपोर्ट के आधार पर धारा 85, 316(2) बीएनएस में मुकदमा संख्या 92/2024 दर्ज कर आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया न्यायालय अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट बारां ने प्रकरण की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान 9 गवाह के बयान लिए गए बहस अधिवक्ता फिरोज खान द्वारा की गई अधिवक्ता फिरोज खान के तर्कों के आधार और पत्रावलि के

अवलोकन के बाद आरोपी जीशान को न्यायालय द्वारा 02.01.2026 को दोषमुक्त (बरी) कर दिया गया सम्पूर्ण पैरवी अधिवक्ता फिरोज खान ने की।

हाजी लुकमान खोखर कौम नागौरी तेलियान के सदर निर्वाचित हुए

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। कौम नागौरी तेलियान पाली के चुनाव में हाजी लुकमान खोखर सर्व सहमति से सदर निर्वाचित हुए। इस मौके पर हाजी सलीम गौरी, हाजी साबिर गौरी, हाजी उस्मान खोखर, निसार अहमद खत्री, अब्दुल हमीद गौरी, बाबू भाई पार्षद, मोहसिन खत्री, इकरामुद्दीन, आमीन गौरी,रउफुदीन खोखर, सिकंदर

गौरी ने खुशी जाहिर की है।

संस्था महवा मंडावर द्वारा आयोजित "शिक्षा खेल महोत्सव" का आयोजन हुआ

-महवा में पूर्व राज्य मंत्री गोलमा देवी ने खेल महोत्सव का उद्घाटन किया

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। एक कदम बदलाव की ओर, संस्था महवा मंडावर द्वारा आयोजित "शिक्षा खेल महोत्सव 2026" का शुक्रवार को श्री टीकाराम पालीवाल स्टेडियम महवा में पूर्व राज्य मंत्री श्रीमती गोलमा देवी द्वारा उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर पूर्व राज्य मंत्री गोलमा देवी, वीरेंद्र मीणा, प्रयास संस्था के राजन मीणा, राकेश रायपुर, हेमेंद्र टीकरी, रामेश्वर समलेटी,पुष्पेंद्र सांथा, मानसिंह नौरंगपुरा, हरकेश प्रजापत, दिनेश

सैनी, नौरंग राम, दिनेश कुट्टीन, सुरेश अलीपुर, हरिभान सैनी, महेश बंदवाड़ा, राकेश झंझटिया, काडूराम जटवाड़ा, करन केसरा, बबलेश सालिमपुर, भीमसिंह मीणा, जितेश मीना एवं संस्था के सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व राज्य मंत्री गोलमा देवी ने कहा कि शिक्षा खेल महोत्सव 2026 का आयोजन महवा मंडावर के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने कौशल और प्रतिभा को दिखाने का मौका मिलेगा। कार्यक्रम का समापन 5 जनवरी 2026 को किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान:
गुरुकुल कोचिंग संस्थान में जागरूकता कार्यशाला आयोजित

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू एवं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में जारी नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत गुरुकुल कोचिंग संस्थान में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के विक्रम ज्याणी ने बताया कि नशा किसी का दोस्त नहीं होता, यह सपनों का सबसे बड़ा दुश्मन है। आज का युवा अगर एक बार मजबूती से 'ना' कह दे, तो नशे की पूरी व्यवस्था हिल सकती है। याद रखिए नशा करना भी एक चुनाव है और उससे दूर रहना भी। फर्क सिर्फ इतना है कि एक चुनाव जिंदगी छीन लेता है, दूसरा जिंदगी बना देता है।" उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन के वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि किस प्रकार नशा पढ़ाई, परिवार, करियर और आत्मसम्मान को धीरे-धीरे निगल जाता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने मित्रों को भी इस अंधेरे से बाहर निकालने का साहस दिखाएं। कार्यक्रम में परविन्द्र मित्तल ने भी विद्यार्थियों को

संबोधित करते हुए कहा कि नशा मुक्त समाज की नींव युवाओं के सही निर्णयों पर टिकी है। संचालक विकास छींपा ने कहा कि प्रशासन और पुलिस कानून से ही नहीं, बल्कि युवाओं के संकल्प से ही इस लड़ाई को जीत सकते हैं। इसलिए आपको एक युवा लीडर बनकर इनका साथ देना चाहिए। कार्यशाला के अंत में सभी विद्यार्थियों ने हाथ उठाकर सामूहिक शपथ ली कि वे किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहेंगे, नशे के खिलाफ आवाज उठाएंगे और अपने परिवार व समाज को नशा मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। पुलिस कांस्टेबल प्रवीण कुमार ने साइबर सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के लिए युवाओं को जागरूक किया।

चाण्डक परिवार 35 बीघा भूमि पर गौशाला बनाएगा

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। श्रीगंगानगर गौ-सेवा ही महान कार्य है क्योकि यह सनातन संस्कृति का अभिन्न अंग है जो धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष प्रदान करती है, इसके द्वारा समस्त देवी देवताओ की पुजा और पर्यावरणीय लाभ मिलते है, जिसमे सुख समृद्धि और मानसिक शान्ती की प्राप्ति होती है। यह बात समाजसेवी अशोक चाण्डक ने चाण्डक फार्म हाउस में सम्बोधित करते हुए कार्यकर्ताओ एवं समाजसेवीयो को कही। वर्ष 2026 के प्रथम दिवस पर बडी संख्या में कार्यकर्ता चाण्डक फार्म हाउस पर पहुंचे समाजसेवी अशोक चाण्डक ने कहा कि आज मेरे छोटे से आग्रह पर इतनी बडी संख्या में सभी कार्यकर्ता पहुंचे है। आप सभी को नववर्ष की शुभकामनाऐ उन्होने कहा कि चाण्डक परिवार निरन्तर समाजसेवी कार्यो में अग्रणी रहा है। आपको जानकारी देते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है कि सुरतगढ रोड पर चक 47 एलएल डब्लयू, पटवार हल्का नरसिंहपूरा में चाण्डक परिवार द्वारा 35 बीघा भूमि गौशाला हेतू क्रय कर ली गई है आप सभी का निरन्तर सहयोग मिलता आया है क्योकि आपकी कडी मेहनत, टीम वर्क दृढ संकल्प मूझे साहस और आत्मबल देता है इसलिए मेरा सभी शहरवासीयो तथा ग्रामीण अंचल से पधारे महानुभवो से आग्रह है कि चाण्डक परिवार द्वारा प्रस्तावित गौशाला के लिए 25 व्यक्तियो की कमेटी बनाकर संचालन करे इसके लिए चाण्डक परिवार द्वारा 51 लाख रूपये संचालन करने हेतु सर्वप्रथम दिए जायेंगे। संयुक्त व्यापार मण्डल के अध्यक्ष तरसेम गुप्ता, दी जनरल मर्चेन्टस एसोसिएषन के अध्यक्ष भूपेन्द्र नाथ आहूजा, समाजसेवी बनवारी लाल गोयल, संजय मूंदड़ा, रमेष खदरिया, विक्रम चितलांगिया, डॉ0 प्रवीण गुप्ता, पार्षद ओमपप्रकाष मित्तल, किरण जग्गा, कृष्ण खारिवाल, महेन्द्र बागड़ी, रवीन्द्र सिंह, विजय सांखला आदि ने इस नेक कार्य के लिए चाण्डक परिवार की भूरी-भूरी प्रषंसा की इस मौके पर उपस्थित सभी पार्षदगण, पूर्व पार्षदगण, सरपंच, पूर्व सरपंच, पंचायत समिति व जिला परिषद के डायरेक्टर व पूर्व डायरेक्टर तथा कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि चाण्डक परिवार का यह सराहनीय कार्य है। हमे इस हेतु जो भी जिम्मेदारी सौंपी जायेगी हम पूर्ण सहयोग करेंगे। समाजसेवी अशोक चाण्डक, नगर परिषद के पूर्व सभापति अजय चाण्डक, संदीप चाण्डक, राघव चाण्डक ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

पूर्व मंत्री व विधायक प्रमोद जैन भाया व पानाचंद मेघवाल ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हाजी अली मोहम्मद की कुशलक्षेम पूछी

बारां (रॉयल पत्रिका)। पूर्व मंत्री व अंता विधायक प्रमोद जैन भाया ओर पूर्व विधायक बारां - अटरु पानाचंद मेघवाल ने शुक्रवार को बीमार चल रहे कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता हाजी अली मोहम्मद के आवास पर पहुंच कर उनकी कुशलक्षेम मालूम की। हाजी अली मोहम्मद पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे हैं, जिसकी जानकारी मिलने पर विधायक प्रमोद जैन भाया ओर पानाचंद मेघवाल कार्यकर्ताओं के साथ उनके आवास पर पहुंचे, ओर उनकी सेहत के बारे में जानकारी ली, साथ ही जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान जिला

कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, पूर्व उपसभापति हाजी अब्दुल गनी, अशरफ देशवाली, पूर्व प्रधान घनश्याम मिसाई, वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी, पूर्व अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, अब्दुल हक हक्का भाई, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी, मंसूरी समाज के सदर सलाम मंसूरी, पार्षद जाकिर खान, कलाम स्टोन सहित कई लोग मौजूद रहे।

राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है युवा एवं जन कल्याण

-प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों में किया जनसंपर्क विभाग के साहित्य का वितरण

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों की जानकारी देने और जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित साहित्य को युवाओं तक पहुंचाया जा रहा है। शुक्रवार को राजकीय सार्वजनिक जिला पुस्तकालय श्रीगंगानगर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों में साहित्य का वितरण किया गया। जिला पुस्तकालय में विभाग द्वारा प्रकाशित विभिन्न प्रकार के साहित्य युवाओं को दिए गए। जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक अनिल कुमार शाक्य ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने विभिन्न वर्गों के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। युवा एवं जनकल्याण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने बताया कि अब तक 92 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। डेढ़ लाख से अधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया प्रगतिरत है। राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं

की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि युवा मेहनत और ईमानदारी के साथ परीक्षाओं की तैयारी करें। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों में साहित्य वितरण के पश्चात विभाग की मासिक पत्रिका सुजस और सुजस बुलेटिन की जानकारी दी गई। इससे पूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष रामनारायण शर्मा ने पुस्तकालय की गतिविधियों के बारे में बताया और जनसंपर्क विभाग के साहित्य की प्रतियोगी परीक्षाओं दी दृष्टि से उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर मनप्रीत सिंह, सुश्री प्रीति अरोड़ा, गुरमंदर सिंह, राजेश सोलंकी सहित अन्य मौजूद रहे।

भाजपा सरकार में राजनीति दुर्भावना से जनप्रतिनिधियों की आवाज दबाई जा रही है- चौहान

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर विचारगोष्ठी में चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने कहा राजस्थान राज्य सरकार ने गांव हों या शहर स्वशासन से जनता को बेदखल करके लोकतंत्र को अफ़सरशाही के हवाले कर दिया है। उपाध्यक्ष चौहान ने कहा, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पार्टी कार्यकर्ताओ से आह्वान करते हुवे कहा भाजपा सरकार ने राजनीतिक दुर्भावना से जनप्रतिनिधि हटाए गए हैं, जनता की आवाज़ दबाई जा रही है, संवैधानिक व्यवस्था पर

खुला हमला हो रहा है। प्रदेश में डेढ़ साल से पंचायत और नगर निकाय चुनाव लंबित हैं, क्योंकि भाजपा को चुनाव और जनता के वोट से डर लगता है। चौहान ने कहा निकाय-पंचायत चुनाव नहीं कराने से लोग परेशान है। कांग्रेस इन चुनावों में भाजपा को पटखनी देगी ।इन चुनावों में देरी की वजह से गांव और शहर में विकास कार्य ठप हो गए हैं।इस सरकार में भ्रष्टाचार का वातावरण बना हुआ है, जिसे हम अपने नेताओं आह्वान पर कार्यकर्ता गांव से लेकर शहर तक एक्सपोज करेंगे। राज्य सरकार ने पूर्व की कांग्रेस सरकार की योजनाओं को भी कमज़ोर कर दिया है और नाम बदलकर झूठी वाही वाही लूटना चाहती है, अब आमजन इनकी हर चाल से वाकीफ हो गया है। आने वाले समय में निकायों और पंचायत चुनाव में परिणाम देखने को मिलेगे।

कुरआन मुकम्मल करने पर बच्ची का सम्मान, धार्मिक व नैतिक शिक्षा का दिया संदेश

हनीस खान कुतकपुर

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद के पूर्व उपसभापति नफीस अहमद की 9 वर्षीय भतीजी हुमैरा अख्तर के कुरआन अध्ययन मुकम्मल करने पर शुक्रवार को एक सादे लेकिन गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिवारजनों, रिश्तेदारों और शहर के गणमान्य नागरिकों ने हुमैरा अख्तर एवं उनके शिक्षक मुफ्ती तजम्मुल सईद का माला, साफा और शॉल ओढ़ाकर स्वागत एवं सम्मान किया। शिक्षाविद अतीक अहमद ने जानकारी देते हुए बताया कि शाम 4 बजे आयोजित अभिनंदन समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व उपसभापति नफीस अहमद ने कहा कि कुरआन की शिक्षाएं केवल किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह पूरी मानवता को सत्य, संयम, भाईचारे और सदाचार का संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि यदि समाज इन शिक्षाओं पर अमल करे तो विश्व में शांति और भाईचारा स्वतः स्थापित हो सकता है। कार्यक्रम के दौरान कुरआन की तालीम हासिल कर रहे अन्य बच्चों अरमान कमर और दुआ फातिमा का भी माला पहनाकर उत्साहवर्धन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि आज के

दौर में बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ धार्मिक और नैतिक संस्कार देना बेहद जरूरी है, जिससे वे एक जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बन सकें। समारोह में उपस्थित वक्ताओं ने हुमैरा अख्तर की लगन, अनुशासन और मेहनत की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं शिक्षक मुफ्ती तजम्मुल सईद ने कहा कि कम उम्र में कुरआन मुकम्मल करना गर्व की बात है और इससे अन्य बच्चों को भी प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर रिटायर्ड शारीरिक शिक्षक इदरीस अहमद, खेल प्रेमी गोपाल सिंह बेनीवाल, डॉ. अरबाज खान, भूपेंद्र कुमार पांडे, खलीक अहमद, अख़्तर अहमद, उदय सिंह धाकड़, अदीब अहमद, मोहम्मद आरिफ, महताब आलम सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन दुआ और सामूहिक सौहार्द के संदेश के साथ किया गया।

पर्यावरण सबसे ज्वलंत समस्या को लेकर संगोष्ठी आयोजित

-हरे भरे पेड़ो एवं पहाड़ों की कटाई प्राकृतिक आपदाओं को सीधा निमंत्रण देती है - मोयल

सोजत (रॉयल पत्रिका)। वर्तमान समय में पर्यावरण सबसे ज्वलंत समस्या है प्रकृति में किसी भी एक या अनेक घटक के बढ़ जाने अथवा घट जाने से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाता है जिसके परिणाम स्वरूप प्राकृतिक आपदाएं अवरोध पैदा करती है। उपरोक्त उद्गार शुक्रवार को पेंशनर समाज की एक दिवसीय कार्यशाला शाला में पेंशनर समाज भवन में अध्यक्ष लालचंद मोयल ने व्यक्त किए उन्होंने पॉलीथीन कैरी बेग एवं हानिकारक प्लास्टिक एवं कागज की गिलासों के उपयोग को लेकर चिन्ता व्यक्त की। सेवा निवृत्त लोक अभियोजक जुगल किशोर दवे ने कहा कि पर्यावरण चक्र मनुष्य के आर्थिक किया कलापों से भी प्रभावित होता है विकास के क्रम में हरे भरे पेड़ो एवं पहाड़ों की कटाई प्राकृतिक आपदाओं को सीधा निमंत्रण देती है। उपकोष अधिकारी रामेश्वर सैन ने जीव जंतुओं एवं प्रकृति को बचाने के लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने का आह्वान किया। चेतन व्यास ने पेंशनर समाज द्वारा जनकल्याण के मासिक कार्यक्रम बनाकर सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यशाला का प्रभावी संचालन रामस्वरूप भटनागर ने किया इस मौके दिवीतीय सत्र में परिचर्चा में सहायक कोषाधिकारी अनिल जैन ने अपना मंतव्य

व्यक्त करतें हुए कहा कि यह सत्र हम सभी के लिए चुनौतीपूर्ण रहेंगा अतः हमें सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा, पर्यावरण विद् शंकर लाल पारीक ने कहा कि वर्तमान में खान-पान अनियंत्रित हो जाने से हमें समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है हमें ट्रेडिशनल एवं स्वास्थ्य वर्धक भोजन का उपयोग करना चाहिए डॉ. कानाराम चौहान ने स्वास्थ्य वर्धक टिप्स दिए, शारीरिक शिक्षक संघ संरक्षक सत्तुसिंह भाटी ने योग और स्वास्थ्य दोनों को पूरक बताते हुए कहा कि स्वस्थ रहनें के लिए शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को तंदुरुस्त रखने के लिए नियमित योगाभ्यास बहुत लाभ दायक हैं, झूमरलाल गर्ग ने कहा कि संगीत का जीवन में बहुत महत्व है संगीत से मानसिक शान्ति की अनुभूति होती हैं, अशोक सैन, महेन्द्र माथुर, अब्दुल समद, राही, सन्नी, अब्राहम,पुसाराम जोशी आदि ने कार्यशाला में आयोजित चर्चा में सक्रीय भागीदारी निभाई ।

प्लास्टिक मुक्त राजस्थान की दिशा में बर्तन बैंक योजना

-जिले की 21 ग्राम पंचायतों में बने बर्तन बैंक

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर प्रदेश सरकार की बर्तन बैंक योजना के अंतर्गत जिले की 21 ग्राम पंचायतों प्रत्येक ब्लॉक से 03 ग्राम पंचायत में बर्तन बैंक स्थापित किए गए हैं। योजना अंतर्गत जिले की तारानगर ब्लॉक की बूचावास, सात्यूं, राजपुरा, सरदारशहर ब्लॉक की मेहरासर उपाधियान, बुकनसर बड़ा, उड़सर लोडेरा, सुजानगढ़ ब्लॉक की जैतासर, सालासर, गोपालपुरा, चूरू ब्लॉक कर आसलखेड़ी, सिरसला, घांघू, बीदासर ब्लॉक की चाड़वास, लालगढ़, सांडवा, रतनगढ़ ब्लॉक की पड़िहारा, गोगासर, लाछड़सर

तथा राजगढ़ ब्लॉक की कालरी, ददरेवा व सिद्धमुख ग्राम पंचायत बर्तन बैंक स्थापित किए गए हैं। यह है बर्तन बैंक की कार्यप्रणाली ग्राम पंचायतों में स्थापित बर्तन बैंकों में विभिन्न प्रकार के स्टील के बर्तन जैसे प्लेट, चम्मच, गिलास, कटोरी आदि के सेट उपलब्ध करवाए गए हैं, जिन्हें ग्राम पंचायत/गांव स्तर पर बैंक के रूप में रखा गया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत हेतु बर्तन के न्यूनतम 400 सेट उपलब्ध होंगे। प्रत्येक सेट में 01 प्लेट, 03 कटोरी, 01 चम्मच एवं 01 गिलास आदि कुल 06 बर्तन होंगे, जिस पर ग्राम पंचायत (नाम ग्राम पंचायत) बर्तन बैंक, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा.) की मार्किंग की गई है। बर्तन बैंक में बर्तनों को व्यवस्थित तरीके से रखने एवं प्रदर्शित करने के लिए एक रैक की व्यवस्था की गई है। बर्तन बैंक खुलने व जनभागीदारी से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित हो रहा है।

वर्ष 2025 भारतीय बीमा क्षेत्र में कुछ ऐसे लैंडमार्क ग्राहक-केंद्रित सुधारों का साक्षी रहा : कमलेश राव

इंदौर, एजेंसी। वर्ष 2025 भारतीय बीमा क्षेत्र में कुछ ऐसे लैंडमार्क ग्राहक–केंद्रित सुधारों का साक्षी रहा, जो जीवन बीमा को सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा का मुख्य आधार बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाएंगे। इस वर्ष की शुरुआत सरेंडर वैल्यू नियमों में हुए सकारात्मक बदलावों से हुई, जिसके बाद जीएसटी छूट और बीमा सुगम पोर्टल की शुरुआत जैसे कदमों ने इस क्षेत्र के विकास पथ को और अधिक सुदृढ़ बनाया है। यह कहना हैं कमलेश राव, चेयरपर्सन – इंश्योरेंस अवेयरनेस कमेटी का। वर्तमान में जीवन बीमा की मांग मुख्य रूप से सुरक्षा, एन्यूटी और बचत उत्पादों के इर्द–गिर्द केंद्रित है। जैसे–जैसे भारतीय परिवार अपनी वित्तीय प्राथमिकताओं में सुरक्षा और रिटायरमेंट समाधानों को ऊपर रख रहे हैं, वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने में इन उत्पादों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी। इसी का परिणाम है कि वर्ष 2026 में हम बीमा कंपनियों द्वारा और भी सशक्त और नवोन्मेषी उत्पाद पेश किए जाने की उम्मीद कर सकते हैं। कमलेश राव, चेयरपर्सन – इंश्योरेंस अवेयरनेस कमेटी ने कहा अगले वर्ष, एफडीआई नियमों में दी गई ढील के बाद भारतीय बाजार में अधिक अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रवेश की प्रबल संभावना है। नए खिलाड़ियों के आने से उद्योग में आपसी तालमेल बढ़ेगा और जीवन बीमा समाधानों की पहुँच और दक्षता में सुधार होगा। अनुकूल नियामक परिवेश, डिजिटल तकनीक की बढ़ती रफ्तार और उपभोक्ताओं में बढ़ती जागरूकता के मेल से, 2026 में जीवन बीमा क्षेत्र में निरंतर और स्वस्थ विकास के एक नए दौर की शुरुआत होगी।

पेनी स्टॉक ने हैदराबाद की एआई कंपनी को खरीदा, 5% चढ़ा शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। पेनी स्टॉक अवांस टेक्नोलॉजीज के शेयरों की कीमतों में आज अपर सर्किट लगा है। इसके पीछे की वजह अवांस टेक्नोलॉजीज की तरफ से एआई कंपनी पुष्पक एआई का अधिग्रहण करना है। यह हैदरबाद की कंपनी है। जिसका अवांस टेक्नोलॉजीज ने 100 प्रतिशत अधिग्रहण किया है। बता दें, दुनिया भर में एआई का बाजार तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। 2032 तक यह 2.4 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। अवांस टेक्नोलॉजीज के शेयर 1.90 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी का शेयर 5 प्रतिशत की उछाल के बाद 2 रुपये के इंट्रा–डे हाई पर पहुंच गए। इस पेनी स्टॉक का 52 वीक हाई 3.15 रुपये है। कंपनी का 52 वीक लो लेवल 0.52 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 396 करोड़ रुपये का है। महज एक महीने में ही कंपनी के शेयरों की कीमतों में 110 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 6 महीने से होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 127 प्रतिशत का लाभ मिल चुका है। जिसकी वजह से पोजीशनल निवेशकों का पैसा दोगुना हो चुका है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 1.80 प्रतिशत की तेजी आई है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा अबतक तीन बार हो चुका है। पहली बार कंपनी के शेयरों को 2009 में 10 हिस्सों में बांटा गया था।

टैक्स में मिली करोड़ों रुपये की राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में ब्लू डार्ट एक्सप्रेस के शेयरों की कीमतों में 9 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली। इस खरीदारी के पीछे की वजह कंपनी को मिली बड़ी छूट है। ब्लू डार्ट एक्सप्रेस की सब्सिडियरी कंपनी ब्लू डार्ट एविएशन को टैक्स डिमांड में बड़ी राहत मिली है। जिसकी वजह से पैरेंट कंपनी के शेयरों की ताबड़तोड़ खरीदारी हुई है।बीएसई में ब्लू डार्ट एक्सप्रेस के शेयर 5573.60 रुपये के लेवल पर ओपन हुए थे। दिन में कंपनी के शेयर 9.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 6043.20 रुपये के इंट्रा–डे हाई पर पहुंच गए।पहले टैक्स डिमांड 421 करोड़ रुपये का था। लेकिन इसे संशोधित करके 64.98 लाख कर दिया गया। जिसमें 41.71 लाख रुपये ब्याज था। जबकि 6.49 लाख रुपये की पेनाल्टी थी।

सिगरेट महंगी होगी, एक्साइज ड्यूटी बढ़ने से आईटीसी-गॉडफ्रे फिलिप्स के शेयर धड़ाम

एक्साइज ड्यूटी 40 प्रतिशत जीएसटी के अलावा होगी

नई दिल्ली, एजेंसी।
सिगरेट कंपनियों आईटीसी और गॉडफ्रे फिलिप्स के शेयर 10 प्रतिशत तक गिर गए, जब सरकार ने अगले महीने से सिगरेट पर एक्साइज ड्यूटी लगा दी। वित्त मंत्रालय के आदेश में बुधवार देर रात कहा गया कि 1 फरवरी से प्रोडक्ट की लंबाई के आधार पर प्रति हजार स्टिक पर 2,050-8,500 की रेंज में एक्साइज ड्यूटी लगाई जाएगी।

इस कदम से सिगरेट की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिससे आईटीसी और अन्य सिगरेट बनाने वाली कंपनियों की बिक्री पर असर पड़ सकता है।

इस घोषणा के बाद, बीएसई पर आईटीसी के शेयर 6 प्रतिशत तक गिर गए और 52-हफ्ते के निचले स्तर 379 रुपये पर पहुंच गए। पिछले एक साल में, आईटीसीके शेयर 17 प्रतिशत गिरे हैं, जबकि छह महीनों में ये 9 प्रतिशत नीचे हैं। यह कंपनी, जो सेंसेक्स और निफ्टी इंडेक्स का हिस्सा है, का मार्केट कैपिटलाइजेशन 4,75,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इस बीच, गॉडफ्रे फिलिप्स के शेयरों में 10 प्रतिशत की ज़्यादा गिरावट आई और वे बीएसई पर दिन के निचले स्तर 2483.15 रुपये पर आ गए। इस स्टॉक ने एक साल में 48.90त्न का फायदा दिया है।

आईटीसी में एक बड़ा ब्लॉक डील भी हुआ, जिसमें 4 करोड़ से अधिक शेयरों का कारोबार हुआ। यह कंपनी के कुल शेयरों का 0.3त्न है। यह सौदा औसतन 400 रुपये प्रति शेयर के भाव पर हुआ, जिसका कुल मूल्य 1,614.5 करोड़ रुपये था।

तंबाकू पर नए टैक्स जीएसटी रेट के अलावा

होंगे और ये ऐसे सिन गुड्स पर अभी लगाए जा रहे कंपनसेशन सेस की जगह लेंगे। दिसंबर में, संसद ने सेंट्रल एक्साइज (अमेंडमेंट) बिल 2025 को मंजूरी दी, जो सिगरेट और तंबाकू प्रोडक्ट्स पर लगाए गए अस्थायी टैक्स की जगह लेगा।

अगले महीने से, सिगरेट, तंबाकू और अन्य समान प्रोडक्ट्स पर 40 प्रतिशत का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (त्नस्ञ्ज) लगेगा। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सिगरेट पर कुल टैक्स अभी रिटेल कीमतों का लगभग 53 प्रतिशत है, जो खपत को कम करने के लिए वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के 75 प्रतिशत के बेंचमार्क से काफी कम है। सितंबर तिमाही में, आईटीसी का सिगरेट व्यवसाय कंपनी की कुल आय का 48 प्रतिशत था। सिगरेट व्यवसाय की आय पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 6.7 प्रतिशत बढ़कर 8,722 करोड़ रुपये हो गई, जबकि इसकी बिक्री की मात्रा 6 प्रतिशत बढ़ी।

आईआईएचएमआर स्टार्टअप्स ने हेल्थकेयर इनोवेशन को मज़बूती देने
नेशनल हेल्थ मिशन, राजस्थान के साथ एमओयू पर किए हस्ताक्षर

जयपुर, एजेंसी।
आईआईएचएमआर फाउंडेशन की हेल्थ सेक्टर से जुड़ी स्टार्टअप इनक्यूबेशन पहल आईआईएचएमआर स्टार्टअप्स ने नेशनल हेल्थ मिशन , राजस्थान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य राज्य में पब्लिक हेल्थ सेवाओं को मज़बूत करने के लिए हेल्थकेयर स्टार्टअप्स को साझा रूप से सपोर्ट देना और उन्हें बढ़ावा देना है। इस अवसर पर

नेशनल हेल्थ मिशन, राजस्थान के मिशन डायरेक्टर डॉ. अमित यादव ने कहा कि हेल्थकेयर सेक्टर में स्टार्टअप्स इनोवेटिव और स्केलेबल समाधान उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। आईआईएचएमआर स्टार्टअप्स के साथ यह साझेदारी ऐसे प्रभावी इनोवेशन की पहचान, सपोर्ट और इम्प्लीमेंटेशन में मदद करेगी, जो एनएचएम के लक्ष्यों के अनुरूप हों और राजस्थान में पब्लिक हेल्थ सेवाओं को और सुदृढ़ करें। आईआईएचएमआर फाउंडेशन की डायरेक्टर सुश्री यामिनी अग्रवाल ने कहा कि यह एमओयू इनोवेशन को पब्लिक हेल्थ सिस्टम से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। एनएचएम राजस्थान के साथ मिलकर काम करते हुए हमारा उद्देश्य स्टार्टअप्स को ऐसे समाधान विकसित करने में सक्षम बनाना है, जो ज़मीनी स्तर की हेल्थकेयर चुनौतियों का समाधान करें और हेल्थकेयर डिलीवरी की पहुंच, गुणवत्ता और दक्षता में सुधार लाएं। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट डॉ. पी.आर. सोड़ानी ने कहा कि हेल्थकेयर इनोवेशन अब विकल्प नहीं, बल्कि यूनिवर्सल कवरेज, बेहतर स्वास्थ्य परिणाम और रोगी-केंद्रित देखभाल के लक्ष्यों को हासिल करने की आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने कहा कि राजस्थान इस समय अपनी हेल्थकेयर यात्रा के एक अहम पड़ाव पर है।

एलएंडटी फाइनेंस ने लॉन्च की सचेत विद सचेत पहल

मुंबई, एजेंसी। देश की प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों में से एक एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड ने 'सचेत विद सचेत' नामक एक साइबर सुरक्षा पहल की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य लोगों को डिजिटल वित्तीय दुनिया में सुरक्षित तरीके से निर्णय लेने के लिए जरूरी जानकारी और टूल्स से सशक्त बनाना है। एलटीएफ के फाइनेंशियल अवेयरनेस मैस्कॉट सचेत कुमार के एनिमेटेड अवतार के जरिए यह पहल इंटरैक्टिव टेक्नोलॉजी और गेमिफाइड लर्निंग को जोड़ती है, ताकि नए साल 2026 में सुरक्षित डिजिटल आदतों को बढ़ावा दिया जा सके। ऑफिसर कविता जगतियानी ने कहा आज लगभग हर स्मार्टफोन उपयोगकर्ता किसी न किसी रूप में स्कैम का शिकार बन रहा है। ठग अब इतनी उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं कि असली और नकली में फर्क करना मुश्किल हो गया है। जो लोग डिजिटल रूप से कम जानकार हैं, वे सबसे ज्यादा जोखिम में रहते हैं। 'सचेत विद सचेत' के जरिए हमारा प्रयास है कि हर नागरिक को जागरूक और सशक्त बनाया जा सके, ताकि 'स्कैम-स्मार्ट' होना एक सामान्य आदत बन सके। एलटीएफ ने इसके लिए एलटीएफसचेत.इन नामक एक डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जहां उपयोगकर्ता स्कैम से बचाव के लिए सीख सकते हैं और खुद को तैयार कर सकते हैं। इसका प्रमुख फीचर लिंक वेरिफिकेशन टूल है, जिसकी मदद से संदिग्ध यूआरएल को जांचा जा सकता है। यह टूल गूगल सेफ ब्राउजिंग और चैटजीपीटी एपीआई की मदद से जोखिम के स्तर को रंगों के जरिए दर्शाता है– हरा (कोई जोखिम नहीं), नारंगी (मध्यम खतरा) और लाल (उच्च जोखिम या स्कैम)। इसके अलावा, प्लेटफॉर्म पर यूपीआई सुरक्षा, डीपफेक, फिशिंग, एडवांस फीस स्कैम जैसे विषयों पर आधारित गेमिफाइड क्विज़ भी उपलब्ध हैं।

आईटीसी के शेयर 9.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए हैं
सेंसेक्स गिरावट के साथ हुआ बंद

नई दिल्ली, एजेंसी।
नए साल के पहले दिन शेयर बाजार का मिला-जुला रिस्पॉन्स देखने को मिला। जहां एक तरफ से सेंसेक्स में मामूली गिरावट देखने को मिली है। तो वहीं निफ्टी हरे निशान पर बंद हुआ है। 30 संवेदी सूचकांक वाला सेंसेक्स आज 1 जनवरी 2026 को 0.04 प्रतिशत या फिर 32 अंक की गिरावट के साथ 85,188.60 अंक पर बंद हुआ है। वहीं, निफ्टी 16.95 अंक या फिर 0.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 26146.55 अंक पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स की 30 में 21 कंपनियों के शेयरों में आज सोमवार को तेजी देखने को मिली है। एनटीपीसी, इटरनल, एलटी, पावरग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई है। दूसरी तरफ आईटीसी के शेयर 9.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए हैं।

शेयर मार्केट का सुबह का जोश ठंडा हो गया है। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स डे हाई 85451 को टच करने के बाद अब महज 40 अंक ऊपर 85261 पर है। वहीं, एनएसई की 50 स्टॉक्स वाला बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 23 अंक ऊपर 26153 पर ट्रेड कर रहा है। एक समय यह 26197 पर था। आईटीसी सेंसेक्स टॉप लूजर है। इसमें करीब 8 फीसद से अधिक की गिरावट है।

शेयर मार्केट में तेजी के बीच सिगरेट कंपनियों आइटीसी और गॉडफ्रे फिलिप्स के शेयर गुरुवार (1 जनवरी) को 10 प्रतिशत तक गिर गए, जब सरकार ने अगले महीने से सिगरेट पर एक्साइज ड्यूटी लगा दी। वित्त मंत्रालय के आदेश में बुधवार देर रात कहा गया कि यह एक्साइज ड्यूटी 1 फरवरी से प्रोडक्ट की लंबाई के आधार पर प्रति 1000 स्टिक पर ?2,050-8,500 के बीच लगाई जाएगी। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 169 अंकों के फायदे के साथ 85390 पर पहुंच गया है। वहीं, एनएसई की

50 स्टॉक्स वाला बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 47 अंक ऊपर 26176 पर ट्रेड कर रहे हैं। आईटीसी सेंसेक्स टॉप लूजर है। इसमें करीब 5 फीसद से अधिक की गिरावट है।

साल 2026 के पहले दिन शेयर मार्केट तेजी के ट्रैक पर है। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 137 अंकों के फायदे के साथ 85357 पर है। वहीं, एनएसई की 50 स्टॉक्स वाला बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 44 अंक ऊपर 26173 पर ट्रेड कर रहे हैं। आईटीसी सेंसेक्स टॉप लूजर है। इसमें करीब 5 फीसद की गिरावट है। साल 2026 के पहले दिन शेयर मार्केट की सधी हुई शुरुआत नजर आ रही है। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 34.95 अंकों के फायदे के साथ 85255 पर खुला। वहीं, एनएसई की 50 स्टॉक्स वाला बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 43 अंक ऊपर 26173 से नए साल की शुरुआत।

विदेशी मुद्रा सेवाओं और ईईएफसी खातों की शुरुआत की

भोपाल। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने आज अपनी अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग सेवाओं के विस्तार में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए व्यापक विदेशी मुद्रा (एफएक्स) सेवाओं और एक्सचेंज अर्नर्स फॉरेन करंसी (ईईएफसी) खातों के शुभारंभ की घोषणा की। यह रणनीतिक पहल सीमा पार लेनदेन में लगे व्यक्तियों और व्यवसायों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आधुनिक, सुरक्षित और वैश्विक स्तर पर सुलभ बैंकिंग समाधान प्रदान करने की बैंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। नवनिर्मित विदेशी मुद्रा सेवाएँ ग्राहकों को अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुँच प्रदान करती हैं। इसमें विदेश से धन प्राप्त करने के लिए 'इनवर्ड रेमिटेंस', वैश्विक स्तर पर पैसा भेजने के लिए 'आउटवर्ड रेमिटेंस' और बहु–मुद्रा खाते रखने के लिए विदेशी मुद्रा जमा की सुविधा शामिल है। एक्सचेंज रेट, तीव्र प्रसंस्करण समय और प्रशिक्षित विदेशी मुद्रा पेशेवरों से समर्पित सहायता का लाभ मिलेगा, जिससे हर अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन कुशल और पारदर्शी बनेगा। विदेशी मुद्रा सेवाओं के पूरक के रूप में, ईईएफसी खाता निर्यातकों और विदेशी मुद्रा में कमाई करने वाले पेशेवरों को भारतीय रुपए में तत्काल परिवर्तन किए बिना अपनी विदेशी मुद्रा आय को रखने और प्रबंधित करने का एक सुविधाजनक तरीका प्रदान करता है।

एसजेवीएन के लिए सबसे बड़ी 1 गीगावाट डीसीआर-अनुपालन सौर परियोजना पूरी की

टाटा पावर रिन्यूएबल्स का ऐतिहासिक कारनामा

मुंबई, एजेंसी।
टाटा पावर की सहायक कंपनी और भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी, टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने एसजेवीएन लिमिटेड की ऐतिहासिक 1 गीगावाट (1,000 मेगावाट एसी / 1,400 मेगावाट डीसी) डीसीआर-कम्प्लायंट सौर ऊर्जा परियोजना को सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। यह उपलब्धि टीपीआरईएल द्वारा अब तक शुरू की गई सबसे बड़ी सौर परियोजना है और भारत के सबसे व्यापक नवीकरणीय ऊर्जा विकास कार्यों में से एक है, जो कंपनी की बेहतरीन कार्य-निष्पादन क्षमता को रेखांकित करती है।

इस परियोजना में उपयोग किए गए सभी 24 लाख मॉड्यूल्स का निर्माण तिरुनेलवेली स्थित टाटा पावर की टीपी सोलर लिमिटेड सेल और मॉड्यूल विनिर्माण इकाई में किया गया है। यह उपलब्धि मेक इन इंडिया पहल के तहत

घरेलू विनिर्माण के प्रति कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता को पुख्ता करती है और स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों में भारत की आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाती है। राजस्थान के बीकानेर में बंदरवाला और करणीसर भाटियान स्थलों पर फैली यह परियोजना, इसके विशाल पैमाने को दर्शाती है और इसे कई राज्यों में स्वच्छ एवं विश्वसनीय बिजली पहुंचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी कुल क्षमता प्रमुख राज्य उपयोगिताओं को आवंटित की गई है–जिसमें राजस्थान ऊर्जा विकास और आईटी सर्विसेज लिमिटेड को 500 मेगावाट, जम्मू और कश्मीर पावर लिमिटेड को 300 मेगावाट, और उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड को 200 मेगावाट बिजली दी जाएगी। इससे राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। अपने संचालन के पहले वर्ष में, इस परियोजना से लगभग 2,454.84 मिलियन यूनिट स्वच्छ बिजली पैदा होने की उम्मीद है, जिससे करीब 17.4 लाख टन सीओ2 उत्सर्जन कम होगा। यह परियोजना बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के साथ-साथ भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और राष्ट्रीय डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाएगी। इस परियोजना की क्षमता को प्रमुख राज्य उपयोगिताओं की सेवा के लिए आवंटित किया गया है, जिसमें राजस्थान ऊर्जा विकास और आईटी सर्विसेज लिमिटेड को 500 मेगावाट, जम्मू और कश्मीर पावर लिमिटेड को 300 मेगावाट, और उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड को 200 मेगावाट बिजली दी जाएगी। अपने संचालन के पहले वर्ष में, इस परियोजना से लगभग 2,454.84 मिलियन यूनिट स्वच्छ बिजली पैदा होने की उम्मीद है, जिससे करीब 17.4 लाख टन सीओ2 उत्सर्जन कम होगा। यह परियोजना बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के साथ-साथ भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और राष्ट्रीय डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाएगी।

यात्रियों को 10,000 के वाउचर में मिले सिर्फ 4,000

10,000 रुपये का ट्रैवल वाउचर का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिगो द्वारा घोषित किया गया निर्धारित मुआवजा उन यात्रियों को नहीं दिया जा रहा है जो तीन से पांच दिसंबर के बीच व्यापक पैमाने पर उड़ानें रद्द होने व समय से उड़ान न भरने के चलते प्रभावित हुए। यात्री ई-मेल और सोशल मीडिया के जरिए उचित मुआवजे की मांग कर रहे हैं, लेकिन इंडिगो बिना किसी ठोस कारण के वाउचर और मुआवजा धनराशि में कटौती कर रही है। यह कटौती किस आधार और किन नियमों के तहत की जा रही है, इसको लेकर भी इंडिगो स्थिति स्पष्ट करने से बच रही है।

वाउचर और मुआवजा धनराशि से जुड़ी शिकायतों को लेकर हिंदुस्तान की तरफ से मेल के जरिए इंडिगो से जवाब मांगा गया, लेकिन कंपनी की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। दिसंबर के पहले सप्ताह में देश भर में इंडिगो की बड़ी संख्या में उड़ाने रद्द हुई या फिर निर्धारित समय से 10 से 14 घंटे तक की देरी से उड़ान भरी। इससे देश भर में इंडिगो के जरिए यात्रा कर रहे लोग प्रभावित हुए। काफी लोग शादियों में नहीं पहुंच पाए

तो बड़ी संख्या में लोगों कंपनी या अपनी निजी बैठकों में शामिल नहीं हो पाए। इससे लोगों को भारी नुकसान पहुंचा, जिसको लेकर इंडिगो के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठी। उसके बाद 11 दिसंबर को इंडिगो ने ऐलान किया कि तीन से पांच दिसंबर से प्रभावित यात्रियों को इंडिगो की तरफ से 10,000 रुपये का ट्रैवल वाउचर दिया जाएगा। यह वाउचर अगले 12 महीनों तक किसी भी इंडिगो यात्रा में इस्तेमाल किया जा सकेगा। यह मुआवजा केंद्र सरकार की मौजूदा गाइडलाइंस के तहत मिलने वाले मुआवजे के अतिरिक्त होगा। सरकारी नियमों के अनुसार, उड़ान के निर्धारित समय से 24 घंटे के भीतर फ्लाइट रद्द होने पर यात्रियों को उड़ान की अवधि (ब्लॉक टाइम) के आधार पर 5,000 रुपये से 10,000 रुपये तक का मुआवजा दिया जाता है, लेकिन अब वाउचर करते वक्त कहानी उल्टी है।

इंडिगो से पति-पत्नी के साथ सफर करने वाले एक परिवार चार हजार रुपये का वाउचर दिया गया है। इनका टिकट पांच दिसंबर को बुक था लेकिन अचानक से फ्लाइट कैंसिल की गई। पति-पत्नि घंटों तक एयरपोर्ट पर फंसे रहे। उसके बाद इन्हें आठ दिसंबर की फ्लाइट उपलब्ध कराई गई। इतना ही नहीं, इंडिगो ने चेक-इन में सामान लेने के बाद 28 दिसंबर को भी समय बदला। फ्लाइट पहले सुबह 11 बजे की तय थी, जिसमें पहले देरी की गई और फिर एयरपोर्ट पहुंचने के बाद फ्लाइट का समय शाम के चार बजे किया गया। अब इन्हें इंडिगो चार हजार रुपये का वाउचर दे रही है, जो सक्रिय भी नहीं किया गया है।

कैश योर ड्राइव को ऋषिकेश में विज्ञापन अधिकारों सहित 10 ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाने की मंजूरी

मुंबई, एजेंसी। भारत की तेजी से उभरती सतत एवं ट्रांजिट मीडिया कंपनी कैश योर ड्राइव मार्केटिंग लिमिटेड ने ऋषिकेश नगर निगम से एक महत्वपूर्ण पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप परियोजना हासिल करने की घोषणा की है। इस परियोजना के तहत कंपनी शहर भर में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशनों के विकास, संचालन और रखरखाव के साथ-साथ उनसे जुड़े विज्ञापन अधिकारों का भी प्रबंधन करेगी।

इस परियोजना के तहत कंपनी डिज़ाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ऑपरेट और मेंटेन मॉडल पर 10 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करेगी और 10 वर्षों की रियायत अवधि तक उनका संचालन करेगी। परियोजना में चार्जिंग स्टेशनों पर विज्ञापन और ब्रांड कम्युनिकेशन प्रारूपों की तैनाती के अधिकार भी शामिल हैं, जिससे शहर के प्रमुख स्थानों पर उच्च दृश्यता वाले शहरी टचपॉइंट्स तैयार होंगे।

कंपनी इस परियोजना के लिए 2 लाख का एकमुश्त प्रोजेक्ट शुल्क तथा 7.35 प्रति यूनिट की न्यूनतम निर्धारित दर पर आधारित भुगतान करेगी, जो समझौते के अंतिम रूप लेने के बाद त्रैमासिक आधार पर देय होगा। ये ईवी चार्जिंग स्थल हरित बुनियादी ढांचे और उच्च सहभागिता वाले मीडिया एसेट्स का संयोजन होंगे, जिससे कंपनी को चार्जिंग उपयोग के साथ-साथ विज्ञापन-आधारित दृश्यता से भी राजस्व अर्जित करने का अवसर मिलेगा।

रणनीतिक अनुकूलता और विकास की दिशा – यह परियोजना कैश योर ड्राइव के उस रणनीतिक बदलाव को मजबूत करती है, जिसके तहत कंपनी अपने मुख्य ट्रांजिट और आउटडोर मीडिया व्यवसाय के साथ दीर्घकालिक, इंफ्रास्ट्रक्चर-आधारित ग्रीन प्लेटफॉर्म्स का विस्तार कर रही है। ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को विज्ञापन अधिकारों के साथ जोड़ने से कंपनी को दोहरी आय धाराएं खोलने और दीर्घकालिक परिसंपत्ति दृश्यता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

एडवांस बुकिंग में अगस्त्य नंदा की फिल्म के बिके इतने टिकट, जान लीजिए कितनी की कमाई

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म इक्कीस आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में अगस्त्य नंदा, जयदीप अहलावत, सिमर भाटिया अहम किरदार निभाते नजर आए हैं। ये सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेतपाल की बायोपिक है। फिल्म को लेकर फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे और अब ये इंतजार खत्म हो चुका है. फिल्म की एडवांस बुकिंग रिलीज से 2 दिन पहले शुरू हो गई थी। इसने एडवांस बुकिंग से कितनी कमाई कर ली है। अगस्त्य नंदा और सिमर भाटिया के नए चेहरों को देखते हुए यह एक शानदार तरक्की है। इसने सन ऑफ सरदार 2, केसरी चैप्टर 2, परम सुंदरी, दे दे प्यार दे 2 और कई दूसरी स्टार-कास्ट वाली फिल्मों से बेहतर है। पुरानी रिलीज फिल्मों की तुलना में इक्कीस ने अवतारः फायर एंड ऐश को टक्कर दी। जिसने नए साल के दिन नेशनल चेन में काफी मिलती-जुलती प्री-सेल्स की थी। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक एडवांस बुकिंग से फिल्म पहले दिन 5 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर सकती हैं। फिल्म ने नेशनल चेन्स से करीब 35000 टिकट्स बिक गए हैं। इसके अलावा वर्ड ऑफ माउथ पर भी डिपेंड करता है। इससे फिल्म के कलेक्शन में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। फिल्म को पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। जिसकी वजह से ये बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर सकती है फिल्म ओपनिंग वीकेंड पर अच्छा कलेक्शन कर सकती है।

टाइगर श्रॉफ
के साथ काम करेंगी कृति शेट्टी!

दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री कृति शेट्टी, बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म में काम करती नजर आ सकती हैं। टाइगर श्रॉफ ने अपनी अगली फिल्म के लिए निर्देशक मिलाप जावेरी से हाथ मिलाया है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी, जिसे टी-सीरीज अपने बैनर तले प्रोड्यूस करेगा। चर्चा है कि इस फिल्म में कृति शेट्टी नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग 21 जनवरी को शुरू होगी और दो महीने का शूटिंग शेड्यूल प्लान किया गया है। मुंबई की अलग-अलग लोकेशंस पर हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन्स फिल्माए जाएंगे, जो शहर की वाइब्रेंट बैकग्राउंड देगा। मेकर्स इस फिल्म को 2026 के दूसरे हाफ में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं।

फरहाना भट्ट
शादी का प्रेशर बना रहे हैं रिश्तेदार
मां को होता है बेटी के लिए दुख

बिग बॉस 19 को खत्म हुए काफी दिन हो चुके हैं। लेकिन, फरहाना भट्ट का जलवा अभी भी बरकरार है। एक्ट्रेस आए दिन किसी ना किसी वजह से चर्चा में बनी रह रही हैं. कभी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर कभी पर्सनल को लेकर। फरहाना भट्ट जबसे बिग बॉस 19 से बाहर आई हैं, तबसे वो खूब इंटरव्यू दे रही हां. इतना ही नहीं वो अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े कई किस्से भी लोगों से शेयर कर रही हैं। बिग बॉस 19 से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली फरहाना भट्ट इन दिनों अपने बेबाक बयान को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। फरहाना भट्ट 28 साल की हैं। उन्होंने बिग बॉस में खुलासा किया था कि किसी के संग रिलेशनशिप में थीं, लेकिन सालों पहले ब्रेकअप हो गया था। ऐसे में अभी भी वो सिंगल हैं।जब फरहाना से पूछा गया क्या उन पर शादी का प्रेशर है। फरहाना ने इस पर जवाब देते हुए कहा कि मेरी मां मुझसे शादी के बारे में बात नहीं करतीं। लेकिन, कोई रिश्तेदारअगर शादी के लिए बोलता है तो वो उदास हो जाती हैं। फरहाना ने बताया कि उनकी मां कहती हैं कि पहले से ही मेरी बेटी पर इतना प्रेशर है और ये लोग शादी की बात कर रहे हैं। वो कहती हैं मेरी बेटी को जब शादी करनी होगी कर लेगी। फरहाना की मां कहती हैं कि भले ही मेरी बेटी 5 साल बाद शादी करे या 10 साल बाद. मेरी बेटी पर शादी का प्रेशर मत डालो। उसकी जब मर्जी होगी वो कर लेगी शादी। फरहाना ने बताया कि जब उनके कजिन्स की शादी होती है तो वो नहीं जातीं. क्योंकि, उन्हें शर्म आती है।

नए साल में 'द ब्लैक गोल्ड' का पोस्टर जारी
महिला पुलिस अधिकारी बन छाईं
सम्युक्ता

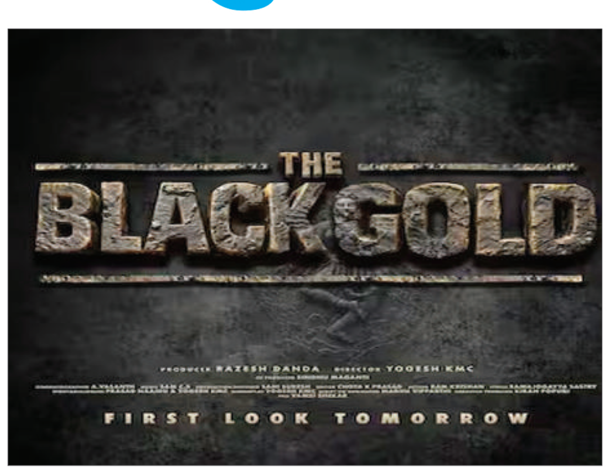

नए साल पर दक्षिण भारतीय सिनेमा की अभिनेत्री सम्युक्ता की महिला प्रधान एक्शन थ्रिलर फिल्म 'द ब्लैक गोल्ड' का पोस्टर जारी किया गया है। इसका निर्माण राजेश डंडा द्वारा हास्य मूवीज बैनर तले मगांती पिक्चर्स के सहयोग से किया गया है। वहीं निर्देशन की कमान योगेश केएमसी ने संभाली है। निर्माताओं ने करीब 75 प्रतिशत शूटिंग निपटा ली है। फिलहाल फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जारी है। 'द ब्लैक गोल्ड' 2026 की गर्मियों के दौरान सिनेमाघरों का रुख करेगी। पैन इंडिया फिल्म 'द ब्लैक गोल्ड' में सम्युक्ता महिला पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आएंगी। यह उनके करियर की अभी तक की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिका बताई जा रही है। पोस्टर में खून से लथपथ कपड़े और हाथ में बंदूक थामे अभिनेत्री का साहसिक अवतार देखने लायक है। उनकी ये झलक फिल्म 'मर्दानी' में रानी मुखर्जी के किरदार की याद दिलाता है। सिनेमाघरों में यह फिल्म तेलुगु, हिंदी, कन्नड़, तमिल और मलयालम भाषा के साथ रिलीज होगी।

साल के पहले दिन अनुपम खेर ने बताया अपना रेजोल्यूशन, इन लोगों की करेंगे मदद

बॉलीवुड में नए साल के स्वागत का जश्न मनाया जा रहा है। कोई अपने परिवार के साथ समय बिता रहा है, जो तो कोई मंदिरों में माथा टेक कर आशीर्वाद ले रहा है। वहीं अनुपम खेर ने साल के पहले दिन ये तय कर लिया है कि वे कैसे अपने पूरे साल को बेहतरीन बनाने वाले हैं। उन्होंने कुछ चीजों को फैंस के साथ इस उम्मीद से शेयर किया है कि वे भी इन चीजों को अपनी जिंदगी में अपनाएं। अनुपम खेर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने गरीबों की मदद से लेकर दुनिया के बोझ को अपने कंधों पर न उठाने का संकल्प लिया है। वीडियो में वे कहते हैं, 'जिंदगी के हर गुजरते साल में कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता है और मैंने साल 2025 से जो सीखा है और साल 2026 में जो चीजें लागू करूंगा, वो ये छोटी-छोटी चीजें हैं. 'अभिनेता ने खुद पर ज्यादा बोझ न महसूस करने, गरीबों की मदद करने, सब्जी या फेरी वाले से मोल भाव न करने और गलत लोगों के सुधारने की जिम्मेदारी खुद पर न लेने की बात की है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'हर गुज़रा हुआ साल कुछ न कुछ सीखा कर जाता है और जो सीख हमें मिलती है, अगर हम उसे नये साल में लागू करें तो अच्छा होगा भी और शायद लगेगा भी. तो मैंने जो 2025 में सीखा, इसे मैं 2026 में अपनी जिंदगी में लागू करना चाहूंगा. 'उन्होंने आगे लिखा, 'इनमें से कुछ बातें शायद आपको भी महसूस हों और आपके काम भी आएं. आप सबको नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं. प्रभु आपके जीवन को सुखमय एवं शांतिपूर्वक रखें. आप अपने लिए, अपने परिवार के लिए, समाज के लिए और देश के लिए अच्छा सोचें और अच्छा करें. 'अभिनेता बीते तीन दिन से लगातार सोशल मीडिया पर नववर्ष की शुभकामनाएं कविता और संदेशों के जरिए दे रहे हैं. फैंस को भी उनके द्वारा लिखी या पढ़ी गई कविता बेहद पसंद आती है उन्होंने बीते दिन 'प्रिय दिसम्बर!! तुम जा रहे हो!!' नाम की कविता सुनाई थी, जिसे उनके दोस्त ने लिखकर उन्हें भेजा था. पंक्ति की हर लाइन खुशियों और सौगातों से भरी थी.

(साभार एजेंसी)

धनुष ने 2025 को बताया यादगार
नए साल से जताई उम्मीदें

साल 2025 दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार धनुष के लिए कई यादगार पल लेकर आया। तीन अलग-अलग भाषाओं में उनकी तीन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया और फैंस के बीच उनका स्टारडम और भी बढ़ गया। हर फिल्म में उनकी मेहनत, जुनून और अभिनय का जादू साफ नजर आया। ऐसे में नए साल 2026 की शुरुआत उन्होंने आभार और खुशियों के साथ की। सोशल मीडिया पर फैंस के लिए उन्होंने एक खास संदेश लिखा और नए साल की शुभकामनाएं दी। धनुष ने अपने पोस्ट में लिखा, ''2025 मेरे लिए बेहद खास और यादगार रहा। तीन फिल्मों का हिट होना एक बड़ा आशीर्वाद था और यह सब आप लोगों की वजह से ही हासिल हुआ। मैं आप सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं। आपके प्यार और समर्थन के बिना यह सब संभव नहीं था।''नए साल के मौके पर धनुष ने फैंस को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, ''मैं कामना करता हूं कि 2026 का साल सभी के लिए खुशियों, स्वास्थ्य और सफलता से भरा हो और यह साल हर किसी की जिंदगी में नई उमंग और उम्मीद लेकर आए।''उन्होंने पोस्ट के आखिर में कहा कि आप सभी ही मेरी असली ताकत और सहारा हैं, 'ओम नमः शिवाय..'साल 2025 की शुरुआत में धनुष की फिल्म 'कुबेर' रिलीज हुई, जिसने दर्शकों का दिल जीता। इस फिल्म का निर्देशन शेखर कम्मुला ने किया। फिल्म में धनुष के अलावा, नागार्जुन, रश्मिका मंदाना, जिम सर्भ, दलीप ताहिल और सयाजी शिंदे जैसे कलाकार दिखाई दिए। यह फिल्म तेलुगु और तमिल दोनों भाषाओं में रिलीज हुई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया और दर्शकों की खूब तारीफें पाई। इसके बाद धनुष की तमिल फिल्म 'इडली कढ़ाई' रिलीज हुई।

धुरंधर की आंधी में बही 'किस किसको प्यार करूं 2', मेकर्स ने खेला दांव, दोबारा रिलीज होगी कपिल की फिल्म

स्टैंडअप कॉमेडियन कपिल शर्मा ने फैंस को नए साल के मौके पर बड़ी सौगात दी है पिछले साल 12 दिसंबर को रिलीज हुई उनकी फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' सिनेमाघरों में दोबारा से दस्तक देने वाली है। 1 जनवरी को मेकर्स ने अनाउंस कर बताया कि शर्मा फैमिली एंटरटेनर 9 जनवरी को री-रिलीज की जाएगी। प्रोड्यूसर रतन जैन ने भरोसा जताया कि इस बार उनकी फिल्म अच्छा परफॉर्म करेगी। कपिल की मूवी को प्योर एंटरेटनमेंट बताया।

प्रोड्यूसर ने कहा- किस किसको प्यार करूं 2 फैमिली को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। फिल्म को मिले प्यार, हंसी और अच्छे रिव्यू ने इसकी यूनिवर्सल अपील को बढ़ाया है लोग अभी भी इसकी मांग रहे हैं, इसलिए हमें लगता है इसे थिएटर्स में वापस लाने का ये सही मौका है। अब लोग बड़े स्क्रीन पर फिर से इसका ह्यूमर एंजॉय कर सकेंगे. हम एक ऐसी फिल्म को वापस लाकर खुश हैं जो हंसी और फैमिली एंटरटेनमेंट को सेलिब्रेट करती है।

मशहूर क्रिकेटर सिंकदर रजा के भाई की मौत

● 13 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे क्रिकेट समुदाय के लिए यह सप्ताह बेहद भावनात्मक और दुखद खबर लेकर आया। राष्ट्रीय टी-20 कप्तान और टीम के सबसे भरोसेमंद ऑलराउंडर सिकंदर रजा के परिवार पर गहरा आघात लगा है। उनके छोटे भाई मुहम्मद महदी जो मात्र 13 वर्ष के थे, के असामयिक निधन की खबर ने न सिर्फ जिम्बाब्वे बल्कि पूरी क्रिकेट दुनिया को स्तब्ध कर दिया। यह व्यक्तिगत क्षति ऐसे समय में सामने आई है, जब रजा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और बड़े टूर्नामेंट्स की तैयारियों में व्यस्त हैं। क्रिकेट फैंस और खिलाड़ी इस कठिन घड़ी में रजा और उनके परिवार के साथ खड़े हैं।

जिम्बाब्वे क्रिकेट का आधिकारिक बयान

ज़िम्बाब्वे क्रिकेट ने इस दुखद घटना की पुष्टि करते हुए एक भावुक बयान जारी किया। बोर्ड ने बताया कि सिकंदर रज़ा के छोटे भाई मुहम्मद महदी का 29 दिसंबर 2025 को हरारे में 13 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। ष्ट ने रज़ा और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि बोर्ड, मैनेजमेंट, खिलाड़ी और स्टाफ इस मुश्किल समय में उनके साथ एकजुटता से खड़े हैं।

बीमारी से लंबी जंग के बाद विदाई

मुहम्मद महदी जन्म से ही हीमोफीलिया जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। हाल के दिनों में उनकी तबीयत बिगड़ने के कारण यह दुखद घटना हुई। उन्हें 30 दिसंबर 2025 को हरारे के वॉरेन हिल्स कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस खबर ने रज़ा परिवार के साथ-साथ क्रिकेट समुदाय को भी गहरे शोक में डाल दिया।

सिकंदर रजा की भावुक प्रतिक्रिया

इस कठिन घड़ी में सिकंदर रज़ा ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी भावनाएं जाहिर कीं। उन्होंने ज़िम्बाब्वे क्रिकेट के बयान को साझा करते हुए टूटे हुए दिल का इमोजी पोस्ट किया, जिसने उनके दर्द को शब्दों के बिना ही बयां कर दिया। फैंस और साथी खिलाड़ियों ने भी उनके पोस्ट पर संवेदनाएं प्रकट कीं।

एसए 20 में पार्ल रॉयल्स की जीत

सनराइजर्स ईस्टर्न केप को 5 विकेट से हराया ;डेविड मिलर ने खेली 71 रन की नाबाद पारी

सेंट जॉर्ज पार्क (एजेंसी)। सेंट जॉर्ज पार्क में खेले गए ङ्20 लीग मुकाबले में पार्ल रॉयल्स ने कप्तान डेविड मिलर की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर सनराइजर्स ईस्टर्न केप को 5 विकेट से हरा दिया। 150 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स ने 2 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप की पारी – टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स ईस्टर्न केप की टीम 20 ओवर में 149 रन ही बना सकी। जॉर्डन हरमन ने सर्वाधिक 47 रन बनाए, जबकि जॉनी बेयरस्टो ने 33 रन की पारी खेली। कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स ने 16 गेंदों में 17 रन बनाए और मार्को यानसन ने 9 गेंदों पर 17 रन जोड़े। बाकी बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं कर सके। पार्ल रॉयल्स की ओर से 19 साल के तेज गेंदबाज नकोबानी मोकोएना ने अपने ङ्20 करियर के दूसरे ही मैच में 4 विकेट झटके। उन्होंने 4 ओवर में 34 रन दिए। वहीं ऑटनील बार्टमैन ने घरेलू मैदान पर 3/36 के आंकड़े दर्ज किए।

भारतीय खेलों के लिए व्यस्त रहेगा... 2026

टी 20 विश्व कप सहित इन खेलों पर नजर

साल की पहली तिमाही क्रिकेट को समर्पित होगी क्योंकि देश के पसंदीदा खेल में इस साल तीन विश्व कप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेलों के लिए वर्ष 2026 रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहने वाला है जिसमे विभिन्न खेलों में विश्व खिताब दाव पर होंगे और ओलंपिक क्वालीफिकेशन का नया सत्र शुरू होगा जिससे लॉस एंजिलिस खेल 2028 के टिकट कटाने का मौका मिलेगा। भारत के नए और पुराने खिलाड़ी अगले साल की चुनौतियों के लिए तैयार हो रहे हैं, ऐसे में नए साल के खेल कैलेंडर पर नजर डाली है।

अंडर-19 विश्व कप, टी20 विश्व कप

साल की पहली तिमाही क्रिकेट को समर्पित होगी क्योंकि देश के पसंदीदा खेल में इस साल तीन विश्व कप हैं। यह 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में 50 ओवर के अंडर-19 विश्व कप से शुरू होगा, जहां वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे उभरते हुए युवा सितारों पर करीब से नजर रखी जाएगी। अंडर-19 विश्व कप फाइनल के एक दिन बाद सीनियर पुरुष टीम भारत और श्रीलंका की मेजबानी में 7 फरवरी से 8 मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब के बचाव के लिए उतरेगी। आस्ट्रेलियाई ओपन 12 जनवरी से एक फरवरी के बीच आयोजित होगा लेकिन भारत की चुनौती असरदार नहीं है। बैडमिंटन आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप तीन मार्च से शुरू होगी जिसमें पी वी सिंधू और बाकी भारतीय खिलाड़ी 2025 की नाकामी से उबरना चाहेंगे। भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है कि एक मार्च से ऑस्ट्रेलिया में शुरू हो रहे एएफसी महिला एशियाई कप में लंबे समय बाद भारतीय टीम खेलते नजर आएगी।

राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और डायमंड लीग

राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से दो अगस्त तक ग्लास्गो में आयोजित होंगे जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन में देखने को मिलेगा। निशानेबाजी, कुश्ती और हॉकी जैसे खेलों को बजट में कटौती के लिए रोस्टर से हटा दिया गया है। इन खेलों के बाद दिल्ली में 17 अगस्त से विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप होनी है। नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 अगस्त से हॉकी विश्व कप शुरू होगा। भारतीय पुरूष टीम एशिया कप जीतकर विश्व कप का टिकट कटा चुकी है जबकि महिला टीम मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलेगी। इसी दौरान भुवनेश्वर में 22 अगस्त से विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर रजत स्तर का टूर्नामेंट होगा। जापान के नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक एशियाई खेलों का आयोजन होगा। इसमें हॉकी में स्वर्ण जीतने वाली टीम लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का टिकट कटायेगी जबकि निशानेबाजी में भी कोटा स्थान होंगे। एथलेटिक्स में डायमंड लीग फाइनल चार से पांच सितंबर तक ब्रसेल्स में होगा। शतरंज ओलंपियाड का 46वां सत्र सितंबर में ताशकंद में खेला जाएगा।

कुश्ती, भारोत्तोलन और आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप

बहरीन में 24 अक्टूबर से विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप होगी। इसके बाद भारोत्तोलन विश्व चैम्पियनशिप 27 अक्टूबर से आठ नवंबर तक खेली जाएगी। एक नवंबर से दोहा में आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप होगी। दिसंबर में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप होगी जिसकी तारीख और स्थान अभी तय नहीं है।

एशियाई मुक्केबाजी और भारोत्तोलन चैम्पियनशिप, महिला टी20 विश्व कप

मार्च के आखिर से अप्रैल तक साइप्रस में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट खेला जाएगा जिससे विश्व चैम्पियनशिप खिताब के चैलेंजर का पता चलेगा। अभी भारत के डी गुकेश विश्व चैम्पियन हैं। मंगोलिया में एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप खेली जाएगी। दोनों टूर्नामेंट 28 मार्च से शुरू होंगे जिसमें ओपन वर्ग में भारत के आर प्रज्ञानानंदा और महिला वर्ग में आर वैशाली, कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख भाग लेंगे। शतरंज टूर्नामेंट 16 अप्रैल तक चलेगा और मुक्केबाजी टूर्नामेंट 11 अप्रैल को खत्म होगा।एशियाई भारोत्तोलन चैम्पियनशिप एक से 10 अप्रैल तक अहमदाबाद में खेली जाएगी। इसके बाद 24 अप्रैल से तीन मई तक थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन खेला जाएगा। इसके कुछ दिन बाद आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैम्पियनशिप फाइनल्स लंदन में 28 अप्रैल से दस मई तक चलेगा जिसके लिए भारतीय महिला और पुरूष टीमों ने क्वालीफाई कर लिया है। जून में महिला टी20 विश्व कप होगा जिसमें हरमनप्रीत कौर की टीम 2025 में वनडे विश्व कप की सफलता को दोहराना चाहेगी। एथलेटिक्स सत्र की शुरूआत मई में डायमंड लीग से होगी जिसमें भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा पर नजरें होंगी। मई में फ्रेंच ओपन और जून में विम्बलडन खेला जायेगा। इसके बाद अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से फीफा विश्व कप फुटबॉल का आयोजन होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 विश्व कप 2026 के लिए टीम की घोषणा की

● स्पिनरों पर जताया भरोसा

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीम की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए उपमहाद्वीप की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपनी टीम में स्पिन गेंदबाजों को प्राथमिकता दी है। टी20 विश्व कप 2021 के विजेता ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को यहां 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टी20 से संन्यास ले चुके मिशेल स्टार्क की अनुपस्थिति में किसी भी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को टीम में शामिल न करने का फैसला किया। कूपर कॉनोली को टीम में शामिल किया गया है जबकि वह ऑस्ट्रेलिया के पिछले 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से किसी में भी नहीं खेले हैं। स्टार्क ने पिछले छह टी20 विश्व कप में से केवल एक में भाग नहीं लिया है, लेकिन उन्होंने पिछले साल के अंत में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस प्रारूप से संन्यास ले लिया था। ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट का अपना पहला मैच 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद वह 13 फरवरी को कोलंबो में जिम्बाब्वे से भिड़ेगा और फिर 16 फरवरी को कैंडी में श्रीलंका और 20 फरवरी को ओमान के खिलाफ मैच खेलेगा। इस महीने के अंत में पैट कमिंस की पीठ का स्कैन होने पर यह तय होगा कि वह टूर्नामेंट में खेलेंगे या नहीं। जोश हेज़लवुड और टिम डेविड दोनों हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नियमों के अनुसार कोई भी टीम 31 जनवरी तक अपनी टीम में बदलाव कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया इस महीने के आखिर में पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला खेलेगा।

ऑस्ट्रेलिया की टीम

मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनोली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

उस्मान ख्वाजा सिडनी टेस्ट से पहले संन्यास पर लेंगे फैसला

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी। द ऑस्ट्रेलियन के अनुसार अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई ओपनर उस्मान ख्वाजा सिडनी में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी एशेज टेस्ट से पहले अपने टेस्ट से संन्यास पर चुप्पी तोड़ने वाले हैं। उम्मीद है कि ख्वाजा सिडनी टेस्ट से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके अपनी योजनाओं को साफ करेंगे। ख्वाजा पिछले दो सालों से टेस्ट क्रिकेट में खराब प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने पिछले दो सालों में 25.93 और 36.11 की औसत से रन बनाए हैं। 2025 में ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ने 18 पारियों में 614 रन बनाए, जिसमें एक अर्धशतक और एक शतक शामिल है। ख्वाजा ने अपना एकमात्र शतक श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के जनवरी-फरवरी 2025 के दौरे के दौरान बनाया था जिसमें उन्होंने पहले टेस्ट की पहली पारी में 232 रनों की बड़ी पारी खेली थी। मौजूदा एशेज सीरीज में 39 साल के ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया के लंबे समय से ओपनर के तौर पर शुरुआत की थी। पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी के दौरान पीठ में ऐंठन के कारण ख्वाजा बल्लेबाजी करने नहीं आए।

वह ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर रहे और शुरू में एडिलेड के लिए भी उन्हें टीम

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भगवान महाकाल के दर्शन के साथ की साल 2026 की शुरुआत

उज्जैन, एजेंसी। साल 2025 में सफलता की नई कहानी लिखने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने नए साल की शुरुआत उज्जैन स्थित भगवान महाकाल के दर्शन के साथ की है। गुरुवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सदस्यों ने महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में भगवान शिव का दर्शन किया और सुबह की भस्म आरती में हिस्सा लिया। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने वाली खिलाड़ियों में स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, स्नेह राणा, राधा यादव और अरुंधति रेड्डी शामिल थीं। विश्व कप 2025 में चैंपियन बनने वाली भारतीय टीम के सदस्यों ने नए साल की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए भगवान शिव से आशीर्वाद मांगा। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने अपने सोशल मीडिया पेज एक्स पर

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन की तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दी हैं। तस्वीरों में शेफाली वर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर और स्नेह राणा के साथ पारंपरिक कपड़ों में नजर आ रही हैं। शेफाली ने कैप्शन में लिखा, 'सभी को नया साल मुबारक हो। 2026 शानदार हो।' रेणुका सिंह ठाकुर ने भी मंदिर के दर्शन की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'नए साल की शुरुआत आस्था, भक्ति और महादेव के आशीर्वाद के साथ। सभी को 2026 की शुभकामनाएं। भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले साल महिला विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ अहम मैच से पहले भगवान महाकाल का दर्शन किया था। महिला टीम ने मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर घरेलू विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई थी।

2025 में भारतीय महिला टीम को वनडे में 65.22 जीत

● हरमनप्रीत की कप्तानी में वर्ल्ड कप जीता; मंधाना ने 23 वनडे मैचों में 1362 रन बनाए

नईदिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 भारतीय महिला क्रिकेट के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार आईसीसी महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर दशकों का इंतजार खत्म कर दिया। फाइनल मुकाबले में भारत ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर 2005 और 2017 के फाइनल में मिली निराशा का बदला चुकता किया।

साल 2025 में भारत का वनडे प्रदर्शन भी शानदार रहा। टीम इंडिया ने कुल 23 वनडे मैच खेले, जिनमें 15 में जीत, 7 में हार और 1 मैच बेनतीजा रहा। इस दौरान भारत का जीत प्रतिशत 65.22 रहा, जो टीम की निरंतरता और मजबूती को दर्शाता है।

तीन लगातार हार के बाद ऐतिहासिक वापसी – वर्ल्ड कप के बीच में भारतीय टीम मुश्किल दौर से गुजरी। साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीन मैच हारने के बाद भारत को लगभग टूर्नामेंट से बाहर माना जा रहा था। लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ 53 रन की जीत ने टीम की किस्मत बदल दी।

सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने 339 रन का लक्ष्य हासिल किया, जो पुरुष या महिला में किसी भी वर्ल्ड कप नॉकआउट

मुकाबले में अब तक का सबसे बड़ा रन चेज रहा।

स्मृति मंधाना का रिकॉर्ड तोड़ साल – साल 2025 स्मृति मंधाना के करियर का सबसे यादगार साल साबित हुआ। उन्होंने 23 वनडे मैचों में 1362 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 61.90 और स्ट्राइक रेट 109.92 रहा। मंधाना ने साल में 5 शतक और 5 अर्धशतक लगाए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महज 50 गेंदों में शतक जड़कर उन्होंने भारतीय क्रिकेट का सबसे तेज वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। वर्ल्ड कप में उन्होंने 9 मैचों में 434 रन बनाए और टूर्नामेंट की दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। साल 2025 स्मृति मंधाना ने 23 वनडे मैचों में 1362 रन बनाए।

दीप्ति शर्मा की ऐतिहासिक उपलब्धि – ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। उन्होंने वर्ल्ड कप में 215 रन बनाए और 22 विकेट झटके। दीप्ति वर्ल्ड कप इतिहास की पहली खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने एक ही टूर्नामेंट में 200+ रन और 20+ विकेट का डबल पूरा किया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने दबाव में 58 रन की अहम पारी खेली और गेंदबाजी में 5/39 के शानदार आंकड़े दर्ज किए।

पेयजल पाइपलाइन लीकेज से इंदौर में तबाही:

-दूषित पानी से 14 मौतें, NHRC और हाईकोर्ट सख्त

इंदौर। इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में पेयजल लाइन में सीवेज का गंदा पानी मिलने से जो त्रासदी सामने आई है, उसने पूरे शहर और राज्य को झकझोर कर रख दिया है। अब यह साफ हो गया है कि 14 लोगों की मौत किसी अफ़वाह या आशंका का नतीजा नहीं, बल्कि दूषित पानी पीने की वजह से हुई एक गंभीर और जानलेवा सच्चाई है। महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज की लैब रिपोर्ट ने गुरुवार को इसकी पुष्टि कर दी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. माधव हसानी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि सैंपल की जांच में यह सामने आया है कि जिन लोगों की तबीयत बिगड़ी और जिनकी मौत हुई, वे सभी दूषित पानी के संपर्क में आए थे। यानी अब इसमें कोई संदेह नहीं बचता कि पेयजल सप्लाई में गंभीर लापरवाही हुई है। हालांकि कलेक्टर शिवम वर्मा का कहना है कि अभी डिटेल्ड रिपोर्ट का इंतजार है और मेडिकल कॉलेज में कल्चर टेस्ट भी किया जा रहा है। उनके मुताबिक, कल्चर रिपोर्ट आने के बाद यह साफ हो पाएगा कि किस तरह का बैक्टीरिया सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हुआ। लेकिन सवाल यह है कि जब 14 जानें जा चुकी हैं, तब भी प्रशासन "रिपोर्ट का इंतजार" क्यों कर रहा है? इस मामले में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी माना है कि भागीरथपुरा में पेयजल लाइन में सीवेज का पानी मिला है। उन्होंने कहा कि चौकी के पास जहां लीकेज की समस्या है, वहीं से गंदा पानी पेयजल में मिलने की सबसे ज्यादा आशंका है। मंत्री का यह बयान अपने आप में इस बात का सबूत है कि सिस्टम को पहले से समस्या की जानकारी थी, लेकिन समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने भी स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने मध्य प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। यह रिपोर्ट बताएगी कि आखिर इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हुई और इसके लिए जिम्मेदार कौन है। साथ ही, इस मुद्दे पर आज हाईकोर्ट में भी सुनवाई संभावित है। जबलपुर की दो सदस्यीय बेंच ऑनलाइन सुनवाई करेगी और सरकार से स्टेटस रिपोर्ट मांगी गई है।

दूषित पानी में छिपा है जानलेवा खतरा-

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, ड्रेनेज के पानी में कई तरह के घातक तत्व और बैक्टीरिया मौजूद होते हैं। इसमें टॉयलेट से निकलने वाला मल-मूत्र, बाथरूम का पानी, कपड़े और बर्तन धोने का साबुन, पावडर, फर्श साफ करने वाले केमिकल और कई बार औद्योगिक (कॉमर्शियल) केमिकल वेस्ट भी शामिल होता है। जब यह सारा ज़हर पीने के पानी की लाइन में मिल जाता है, तो पानी बेहद टॉक्सिक हो जाता है। ऐसे दूषित पानी में Shigella, Salmonella, Cholera (हैजा) और Escherichia coli जैसे घातक बैक्टीरिया पनप सकते हैं। इनमें से कोई एक या एक से ज्यादा बैक्टीरिया इस त्रासदी की वजह बने हो सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कल्चर टेस्ट के बाद ही यह पूरी तरह साफ होगा कि कौन-सा बैक्टीरिया सबसे ज्यादा नुकसानदेह साबित हुआ।

मंत्री के सामने फूटा लोगों का गुस्सा-

गुरुवार सुबह जब मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भागीरथपुरा पहुंचे और मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए के चेक देने की तैयारी हुई, तो वहां माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया। सात मृतकों के परिवारों ने मंत्री के सामने ही कहा कि उन्हें चेक नहीं चाहिए। उनका कहना था कि पैसे से जानें वापस नहीं आ सकतीं और यह समस्या दो साल से चली आ रही थी। मंत्री स्कूटर पर इलाके में पहुंचे, लेकिन वहां मौजूद महिलाओं ने खुलकर नाराजगी जताई। एक महिला ने कहा कि पिछले दो साल से गंदा पानी आ रहा था और भाजपा के पार्षद को बार-बार शिकायत की गई, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया पर साझा किया। जीतू पटवारी ने X (ट्विटर) पर लिखा कि पूरा मोहल्ला बीमार है, लेकिन सत्ता के अहंकार में डूबे मंत्री जी ने गाड़ी आगे बढ़ा ली और एक बहन की बात तक नहीं सुनी। उनका यह बयान सरकार और प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

सबक या फिर एक और फाइल?-

इंदौर की यह घटना सिर्फ एक इलाके की समस्या नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की नाकामी का आईना है। अगर समय रहते पाइपलाइन की मरम्मत, पानी की नियमित जांच और शिकायतों पर कार्रवाई होती, तो शायद 14 परिवारों के घर आज उजड़े न होते।

नशे में मिला एअर इंडिया पायलट, कनाडा ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। कनाडा में एअर इंडिया से जुड़ा एक गंभीर विमानन सुरक्षा मामला सामने आया है। ड्यूटी से ठीक पहले एक एअर इंडिया पायलट के शराब के नशे में पाए जाने पर कनाडाई अधिकारियों ने सख्त रुख अपनाया है। इस मामले में कनाडा की एविएशन अथॉरिटी ट्रांसपोर्ट कनाडा ने एअर इंडिया से औपचारिक जवाब मांगा है और 26 जनवरी 2026 तक की गई कार्रवाई की पूरी जानकारी देने को कहा है। यह घटना 23 दिसंबर 2025 की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, एअर इंडिया का यह पायलट कनाडा से उड़ान भरने वाला था, लेकिन ड्यूटी से पहले उसके नशे में होने की शिकायत सामने आई। इस पर रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (RCMP) ने मामला दर्ज किया। RCMP की शिकायत के आधार पर ही ट्रांसपोर्ट कनाडा ने अगले दिन यानी 24 दिसंबर 2025 को एअर इंडिया को एक आधिकारिक पत्र भेजा। ट्रांसपोर्ट कनाडा ने अपने पत्र में इस घटना को बेहद गंभीर सुरक्षा चूक बताया है। कनाडाई एविएशन अथॉरिटी का कहना है कि यह मामला यात्रियों की सुरक्षा से सीधे तौर पर जुड़ा है और इसे किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विभाग ने स्पष्ट किया कि पायलट का ड्यूटी से पहले शराब पीना कनाडियन एविएशन रेगुलेशंस (CARs) का सीधा उल्लंघन है। अथॉरिटी के मुताबिक, इस मामले में CARs के नियम 602.02 और 602.03 का उल्लंघन हुआ है। इन नियमों के तहत किसी भी पायलट या क्रू सदस्य को नशे की हालत में विमान उड़ाने या उड़ान से जुड़ी कोई भी जिम्मेदारी निभाने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा, यह घटना एअर इंडिया को जारी किए गए फॉरेन एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट (FAOC) की शर्तों का भी उल्लंघन मानी गई है। ट्रांसपोर्ट कनाडा ने एअर इंडिया को चेतावनी देते हुए कहा है कि इस मामले में RCMP और ट्रांसपोर्ट कनाडा सिविल एविएशन (TCCA) दोनों की ओर से प्रवर्तन कार्रवाई की जा सकती है। यानी अगर जांच में गंभीर लापरवाही या नियमों की अनदेखी पाई गई, तो पायलट के साथ-साथ एयरलाइन पर भी कार्रवाई संभव है। कनाडाई एविएशन अथॉरिटी ने एअर इंडिया से अपेक्षा जताई है कि वह इस मामले में तत्काल और ठोस कदम उठाए। विभाग ने कहा है कि एयरलाइन यह स्पष्ट करे कि संबंधित पायलट के खिलाफ क्या अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई, भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कौन-से उपाय किए जा रहे हैं और आंतरिक जांच के क्या निष्कर्ष निकले हैं। ट्रांसपोर्ट कनाडा ने साफ तौर पर निर्देश दिया है कि एअर इंडिया को 26 जनवरी 2026 तक अपनी जांच रिपोर्ट और उठाए गए कदमों की पूरी जानकारी लिखित रूप में देनी होगी। यह मामला अंतरराष्ट्रीय विमानन सुरक्षा मानकों और यात्रियों की जान से जुड़े नियमों के पालन को लेकर एक अहम चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है।

अमृतसर में डाकघर कर्मचारी पर पंजाबी बोलने-पढ़ने का दबाव, वीडियो वायरल

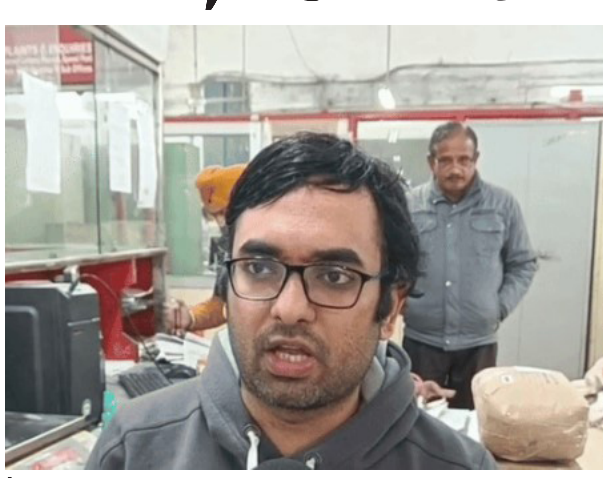

अमृतसर। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर हुए विवाद के बाद अब पंजाब के अमृतसर से भाषा से जुड़ा एक नया मामला सामने आया है। यहां एक डाकघर में तैनात पोस्टल असिस्टेंट को पंजाबी बोलने और पढ़ने के लिए मजबूर किए जाने का आरोप लगा है। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। घटना अमृतसर के एक पोस्ट ऑफिस की है, जहां 30 दिसंबर को एक युवक काम कराने के लिए पहुंचा था। पोस्टल असिस्टेंट मूल रूप से दिल्ली के रहने वाले हैं और पिछले चार साल से अमृतसर पोस्ट ऑफिस में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आरोप है कि युवक ने उनसे पंजाबी में बात करने और दस्तावेज पंजाबी में पढ़ने की मांग की। युवक का कहना था कि "अगर पंजाब में रहते हो तो पंजाबी आनी चाहिए।" जब पोस्टल असिस्टेंट ने कहा कि वे हिंदी और अंग्रेजी में काम करने में सक्षम हैं, तो युवक ने उन पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद अब पोस्टल असिस्टेंट पहली बार मीडिया के सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें हिंदी और अंग्रेजी पूरी तरह आती है और डाकघर में आधिकारिक तौर पर इन्हीं भाषाओं में काम किया जाता है। उन्होंने साफ कहा कि उन पर जबरन पंजाबी बोलने और पढ़ने का दबाव बनाया गया, जो गलत है। उन्होंने इसे मानसिक दबाव और डराने-धमकाने की कोशिश बताया। पोस्टल असिस्टेंट ने कहा, "मैं पिछले चार साल से यहां काम कर रहा हूं। कभी ऐसी स्थिति नहीं आई। मुझे अपने काम से मतलब है और मैं नियमों के अनुसार काम करता हूं। भाषा के नाम पर मुझ पर दबाव डालना सही नहीं है।" उन्होंने इस मामले में संबंधित युवक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की है। इस मामले पर डाकघर के पोस्टमास्टर ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उनके कर्मचारी को डराया और धमकाया गया है, जो बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। पोस्टमास्टर के अनुसार, डाक विभाग के नियमों के तहत हिंदी और अंग्रेजी आधिकारिक कार्यभाषा हैं और किसी भी कर्मचारी को जबरन किसी अन्य भाषा में काम करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पूरे मामले की जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने पर उचित कार्रवाई होगी। यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब देश के अलग-अलग हिस्सों में भाषा को लेकर विवाद बढ़ते जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत एक बहुभाषी देश है और यहां आपसी सम्मान और सहिष्णुता के साथ रहना जरूरी है। किसी भी कर्मचारी या नागरिक पर भाषा थोपना न केवल गलत है, बल्कि संविधान की भावना के भी खिलाफ है।

शी जिनपिंग बोले- ताइवान चीन का हिस्सा, अमेरिका ने चेतावनी दी तनाव बढ़ाने पर

बीजिंग/ताइपे (एजेंसी)। चीन और ताइवान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नए साल के मौके पर दिए गए अपने भाषण में कहा कि ताइवान चीन का अविभाज्य हिस्सा है और दोनों के बीच खून का रिश्ता है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन और ताइवान का एक होना समय की मांग है और इसे कोई नहीं रोक सकता। उनके इस बयान के बाद ताइवान की सरकार ने इसे बहुत उकसाने वाला कदम बताया और चेताया कि इससे पूरे क्षेत्र में अशांति फैल सकती है। शी जिनपिंग ने अपने भाषण में जोर देकर कहा कि ताइवान का चीन से अलग होना संभव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि आवश्यकता पड़ी तो चीन सेना के माध्यम से ताइवान को अपने नियंत्रण में ला सकता है। यह बयान चीन की लंबे समय से चली आ रही नीति का हिस्सा है, जिसमें वह ताइवान को अपना हिस्सा मानता आया है। ताइवान सरकार ने शी के बयान को चुनौतीपूर्ण और क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के भाषण न केवल द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित कर सकते हैं, बल्कि पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अस्थिरता भी पैदा कर सकते हैं। ताइवान की ओर से बार-बार चीन से शांति बनाए रखने और तनाव बढ़ाने से बचने की अपील की जा रही है। वहीं, अमेरिका ने भी चीन के इस कदम की आलोचना की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने चेतावनी देते हुए कहा कि चीन की यह हरकत बेवजह तनाव पैदा कर रही है। विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि अमेरिका ताइवान जलडमरूमध्य में मौजूदा शांति और स्थिरता को भंग करने वाले किसी भी कदम का विरोध करता है। उन्होंने अमेरिका की लंबे समय से चली आ रही नीति दोहराते हुए कहा कि अमेरिका ताइवान की सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति के लिए प्रतिबद्ध है।

देशभर में मौसम का कहर:

-राजस्थान में मावठा, 15 राज्यों में घना कोहरा और पहाड़ों पर बर्फबारी

नई दिल्ली। नए साल के पहले ही दिन देश के बड़े हिस्से में मौसम ने करवट ले ली है। उत्तर भारत से लेकर पश्चिम और दक्षिण भारत तक बारिश, मावठा, कोहरा और बर्फबारी का असर साफ दिखाई दे रहा है। कई राज्यों में ठंड और बढ़ गई है, वहीं जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। राजस्थान के करीब 20 जिलों में मावठा गिरा है। बीकानेर में हालात सबसे ज्यादा खराब रहे, जहां करीब आधे घंटे तक ओले गिरे। इससे फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। जयपुर में तापमान गिरकर 5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे ठिठुरन बढ़ गई है। अलवर, सीकर, चूरू, झुंझुनूं, नागौर, जोधपुर और अजमेर सहित कई जिलों में बारिश के साथ सर्द हवाएं चलीं। किसानों के लिए यह मौसम चिंता का कारण बन गया है। पंजाब, हरियाणा और गुजरात के कई इलाकों में भी बारिश दर्ज की गई है। दिल्ली और मुंबई में भी हल्की से मध्यम बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट आई है। मुंबई में अचानक हुई बारिश से लोगों को उमस से राहत जरूर मिली, लेकिन यातायात पर असर पड़ा। मैदानी इलाकों में घने कोहरे ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, दिल्ली, छत्तीसगढ़, तेलंगाना समेत करीब 15 राज्यों में घना कोहरा छाया हुआ है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में हालात सबसे ज्यादा गंभीर हैं, जहां विजिबिलिटी शून्य तक पहुंच गई। इसका असर सड़क, रेल और हवाई यातायात पर पड़ा है। कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं और हाईवे पर वाहन रेंगते नजर आए। उत्तराखंड में मौसम ने पूरी तरह से सर्दी का रंग दिखा दिया है। चमोली जिले की नीति घाटी में सीजन की पहली बर्फबारी दर्ज की गई है। इससे पहाड़ी इलाकों में तापमान तेजी से गिरा है। मौसम विभाग ने आज राज्य के चार जिलों में बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने लोगों को सावधानी बरतने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। जम्मू-कश्मीर में भी बर्फबारी का सिलसिला जारी है। सोनमर्ग, पहलगाम और गुलमर्ग में लगातार बर्फ गिर रही है। भारी बर्फबारी के कारण कश्मीर घाटी को जम्मू क्षेत्र से जोड़ने वाली मुगल रोड और सिंथन टॉप रोड को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। इससे दोनों क्षेत्रों के बीच संपर्क प्रभावित हुआ है। पर्यटकों को भी सावधानी बरतने की हिदायत दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से आने वाले कुछ दिनों तक ठंड, बारिश और कोहरे का असर बना रह सकता है। लोगों से अपील की गई है कि वे ठंड से बचाव करें, कोहरे में वाहन चलाते समय सतर्क रहें और मौसम से जुड़ी चेतावनियों पर ध्यान दें।

ईरान में महंगाई के खिलाफ GenZ के उग्र प्रदर्शन

-सरकारी इमारतों में तोड़फोड़; 3 की मौत

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट के खिलाफ देशभर में पिछले चार दिनों से विरोध प्रदर्शन जारी हैं। विशेषकर दक्षिणी शहर फासा में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। स्थानीय जनतांत्रिक और आर्थिक कठिनाइयों से परेशान युवा, खासकर GenZ, सड़कों पर उतरे और उन्होंने सरकारी इमारतों में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की। ईरानी न्यूज एजेंसी मीजान की रिपोर्ट के अनुसार, प्रांतीय गवर्नर कार्यालय के मुख्य दरवाजे और शीशे क्षतिग्रस्त कर दिए गए। प्रदर्शनकारियों ने अपनी नाराजगी स्पष्ट रूप से जताई और कुछ लोगों ने खुलकर राजशाही को वापस लाने की मांग की। हालात काबू में करने के लिए पुलिस को दखल देना पड़ा, जिसके बाद लगभग 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान पुलिस और सुरक्षा बलों को भी चोटें आईं, लगभग 12 पुलिसकर्मी घायल हुए। राजधानी तेहरान में भी हालात गंभीर बने रहे। सादी स्ट्रीट और ग्रैंड बाजार इलाके में व्यापारियों और दुकानदारों ने प्रदर्शन में भाग लिया। कई स्थानों पर दुकानें बंद रही, जिससे कारोबारी गतिविधियां ठप हो गईं और आर्थिक नुकसान हुआ। इन प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प में एक अर्धसैनिक बसीज फोर्स का जवान और दो अन्य युवा मारे गए। इस घटना ने पूरे देश में तनाव और बढ़ा दिया है। नागरिकों में गुस्सा और असंतोष स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है, और कई इलाकों में भारी सुरक्षा बल तैनात किए गए।

न्यूयॉर्क मेयर जोहरान ममदानी ने जेल में उमर खालिद को लिखा हाथ से लेटर, जताया समर्थन

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने दिल्ली दंगों के आरोप में जेल में बंद छात्र और एक्टिविस्ट उमर खालिद को हाथ से लिखा एक व्यक्तिगत पत्र भेजा है। यह पत्र ममदानी द्वारा 1 जनवरी 2026 को मेयर पद की शपथ लेने के कुछ ही दिनों बाद सामने आया। पत्र में ममदानी ने उमर के प्रति अपनी एकजुटता, संवेदना और समर्थन व्यक्त किया है। पत्र में ममदानी ने लिखा है, "प्रिय उमर, मैं अक्सर तुम्हारे उन शब्दों को याद करता हूं जिनमें तुमने कड़वाहट को खुद पर हावी न होने देने की बात कही थी। तुम्हारे माता-पिता से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। हम सब तुम्हारे बारे में सोच रहे हैं।" इस संदेश में न केवल उमर की मानसिक मजबूती और धैर्य की सराहना की गई है, बल्कि यह भी जताया गया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई लोग उनके हालात से अवगत हैं और उनके लिए चिंता महसूस कर रहे हैं। जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क शहर के पहले मुस्लिम मेयर हैं और सामाजिक न्याय, समानता और नागरिक अधिकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता जानी जाती है। उमर खालिद की जेल में स्थिति और उनके परिवार की परेशानियों के संदर्भ में ममदानी का यह पत्र संवेदनशीलता और मानवता का प्रतीक माना जा रहा है। विशेष रूप से यह पत्र राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दिखाता है कि लोकतांत्रिक समाज में अलग-अलग देशों के नागरिकों और नेताओं द्वारा मानवाधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं के लिए समर्थन जताया जा सकता है। यह पत्र उमर खालिद के परिवार और समर्थकों के लिए भी एक बड़ी हिम्मत और सांत्वना का स्रोत बन सकता है।

कर्नाटक सर्वे का दावा: 91% लोगों को चुनावों की निष्पक्षता और ईवीएम पर भरोसा

-राहुल के आरोपों पर भाजपा का पलटवार

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार की एक आधिकारिक एजेंसी की हालिया स्टडी ने राज्य की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, कर्नाटक के करीब 91% लोग मानते हैं कि भारत में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए जाते हैं और ईवीएम सही व सटीक नतीजे देती हैं। यह दावा ऐसे समय सामने आया है, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार कई राज्यों में 'वोट चोरी' के आरोप लगा रहे हैं और भारतीय चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं। यह रिपोर्ट कर्नाटक मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन अथॉरिटी (KMEA) ने प्रकाशित की है, जो राज्य सरकार की एक संस्था है। खास बात यह है कि कर्नाटक में इस समय कांग्रेस की सरकार है, जबकि रिपोर्ट के निष्कर्ष कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के दावों के विपरीत नजर आते हैं।

राहुल गांधी के आरोप और भाजपा का पलटवार-

बीते कुछ महीनों से राहुल गांधी भाजपा पर चुनावों में गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोप लगाते रहे हैं। उन्होंने कर्नाटक के कलबुर्गी में भी सार्वजनिक मंच से वोट चोरी का दावा किया था। अब जब उसी राज्य की सरकारी एजेंसी की रिपोर्ट में जनता का भरोसा सामने आया है, तो भाजपा ने इसे कांग्रेस पर हमला करने का मौका बना लिया है। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा कि, "लोग चुनावों पर, ईवीएम पर और भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा करते हैं। यह सर्वे कांग्रेस के मुंह पर करारा तमाचा है। जहां नागरिक भरोसा दिखा रहे हैं, वहीं कांग्रेस शक जता रही है।" भाजपा का कहना है कि जनता का भरोसा लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और बार-बार संदेह पैदा करना लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करता है।

अगस्त 2025 में तैयार हुई थी रिपोर्ट-

सूत्रों के अनुसार, यह रिपोर्ट अगस्त 2025 में तैयार की गई थी, जिसे हाल ही में सार्वजनिक किया गया। रिपोर्ट का शीर्षक है – 'लोकसभा इलेक्शन 2024: इवैल्यूएशन ऑफ एंडलाइन सर्वे ऑफ नॉलेज, एट्टीट्यूड एंड प्रैक्टिस (KAP) ऑफ सिटीजन्स'। इस स्टडी का मकसद कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा चलाए गए SVEEP (Systematic Voters' Education and Electoral Participation) कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करना था। यानी यह सर्वे यह जानने के लिए कराया गया कि मतदाता चुनाव प्रक्रिया को लेकर कितने जागरूक और आश्वस्त हैं।

102 विधानसभा क्षेत्रों में हुआ सर्वे-

यह सर्वे कर्नाटक के 34 निर्वाचन जिलों के 102 विधानसभा क्षेत्रों में किया गया। इसमें ग्रामीण, शहरी और आरक्षित सीटों के कुल 5,100 मतदाताओं को शामिल किया गया। सर्वे ने राज्य के चारों प्रमुख संभागों – बेंगलुरु, बेलगावी, कलबुर्गी और मैसूरु – को कवर किया। रिपोर्ट के मुताबिक, सर्वे में शामिल 91.31% लोगों ने माना कि भारत में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से होते हैं। वहीं, ईवीएम की विश्वसनीयता को लेकर भी बड़ा भरोसा सामने आया। कुल 69.39% लोगों ने सहमति और 14.22% ने पूरी सहमति जताई कि ईवीएम सही नतीजे देती हैं। हालांकि 6.76% लोगों ने न्यूट्रल राय दी।

कलबुर्गी में सबसे ज्यादा भरोसा-

रिपोर्ट के अनुसार, कलबुर्गी डिवीजन में चुनाव प्रक्रिया को लेकर सबसे ज्यादा भरोसा देखा गया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886